DELHI CRIME 01 may 2022:Layout 1 4/30/2022 6:24 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | रविवार 01 मई 2022 | पीडीएफ अंक-11 | पृष्ठ-8 | मूल्य-नि:शुल्क

मौसम

अधिकतम – 45 सूर्योदय – 5 : 42
न्यूनतम – 28 सूर्यास्त – 6 : 56

सोना चांदी

सोना – 53640.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 63800.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 57060.87 निफ्टी – 17102.55
रु/यूएस डॉलर – 76.57 रु/यूरो – 80.60

हमने 1450 कानूनों को खत्म किया, न्याय की भाषा लोगों की समझ में हो : मोदी

-सीएम-जजों के सम्मेलन में पीएम का उद्बोधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के 75 सालों ने न्यायपालिका और कार्यपालिका दोनों के ही भूमिका और जिम्मेदारियों को निरंतर स्पष्ट किया है। जहां जब भी जरूरी हुआ, देश को दिशा देने के लिए ये संबंध लगातार विकसित हुआ है। यह बात पीएम मोदी ने शनिवार को विज्ञान भवन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में हिस्सा लेते हुए कही। इस दौरान दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल, असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, अरुणाचल प्रदेश सीएम पेमा खांडू, मेघालय सीएम कोनराड संगमा और पंजाब सीएम भगवंत मान ने विज्ञान भवन में राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन में शामिल हुए। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि संविधान की इन दो धाराओं का ये संगम, ये संतुलन देश में प्रभावी और समयबद्ध न्याय व्यवस्था का रोडमैप तैयार करेगा। राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों का ये संयुक्त सम्मेलन हमारी संवैधानिक खूबसूरती का सजीव चित्रण है। हमारे देश में जहां एक ओर ज्यूडिशरी की भूमिका का संविधान संरक्षक की है वहीं विधान मंडल नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि 2047 में जब देश अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब हम देश में कैसी न्याय व्यवस्था देखना चाहेंगे? हम किस तरह अपने न्याय व्यवस्था को इतना समर्थ बनाएं कि वो 2047 के भारत की आकांक्षाओं को पूरा कर सके, उन पर खरा

उतर सके, ये प्रश्न आज हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। आज का सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। पीएम ने कहा कि भारत सरकार न्याय व्यवस्था में तकनीकी की संभावनाओं को डिजिटल इंडिया मिशन का एक जरूरी हिस्सा मानती है। उदाहरण के तौर पर, ई-कोर्ट परियोजना को आज मिशन मोड में लागू किया जा रहा है। आज छोटे कस्बों और यहां तक कि गांवों में भी डिजिटल ट्रांसजेक्शन आम बात होने लगी है। 2015 में हमने करीब 1800 ऐसे कानूनों को चिन्हित किया था जो अप्रासंगिक हो चुके थे। इनमें से जो केंद्र के कानून थे, ऐसे 1450 कानूनों को हमने खत्म किया। लेकिन राज्यों की तरफ से केवल 75 कानून ही खत्म किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आज का सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आजादी के इन 75 सालों ने ज्यूडिशरी और एग्जीक्यूटिव दोनों के ही भूमिका और जिम्मेदारियों को निरंतर स्पष्ट किया है। जहां जब भी जरूरी हुआ, देश को दिशा देने के लिए ये संबंध लगातार विकसित हुआ है। हमें कोर्ट में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। इससे देश के सामान्य नागरिकों का न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा, वो उससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे। प्रधान न्यायाधीश एन.वी. रमण ने कहा कि संविधान राज्य के तीनों अंगों के बीच शक्तियों के पृथक्करण का प्रावधान करता है और अपने कर्तव्य का पालन करते समय लक्ष्मण रेखा का ध्यान रखा जाना चाहिये। प्रधान न्यायाधीश ने मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के संयुक्त सम्मेलन में कहा न्यायिक निदेर्शों के बावजूद सरकारों द्वारा जानबूझकर निष्क्रियता दिखाना लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि संविधान तीनों अंगों के बीच शक्तियों के पृथक्करण का प्रावधान करता है तथा इनके बीच सामंजस्य से लोकतंत्र मजबूत होगा। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते समय हमें लक्ष्मण रेखा का ध्यान रखना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने जनहित याचिकाओं के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अब यह 'निजी हित याचिका' बन गई है और निजी मामलों को निपटाने के लिये इसका इस्तेमाल किया जाता है।

न्यूज फ्लैश

प्रधानमंत्री 15 जून को करेंगे बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का उद्घाटन, यूपीडा के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

औरैया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का 15 जून को उद्घाटन किया जाना है। ऐसे में उप्र शासन एक्सप्रेसवे के निर्माण की स्थिति पर पल-पल की नजर रखे है। यूपीडा के मीडिया प्रभारी एवं सलाहकार के साथ कई अन्य अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति परखी। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 जून को किए जाने वाले उद्घाटन को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रहीं हैं। शनिवार को यूपीडा मीडिया प्रभारी एवं सलाहकार दुर्गेश उपाध्याय ने पैकेज पांच के तहत आने वाले औरैया से जालौन तक के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही उद्घाटन के दौरान इस मार्ग को कहां से कहां तक खोला जा सकता है, इसकी जानकारी ली। उन्होंने एक्सप्रेसवे के डिवाइडर पर लगाए जाने वाले पौधों के काम में तेजी लाने और समय से काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा एक्सप्रेस वे पर चल रहे काम का निरीक्षण करने, कई साइटों पर जाकर वास्तविक स्थिति परखी। इस संबंध में गवार कंस्ट्रक्शन के सर्वे एंड डिजाइन मैनेजर आकाश सिंह ने बताया कि पैकेज पांच के तहत आने वाले औरैया से जालौन तक के एक्सप्रेस वे का काम लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। शेष बचा काम भी निर्धारित समय तक पूरा कर लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यूपीडा के महाप्रबंधक इंजीनियर राजेश मोहन गुप्ता और सहायक इंजीनियर रविंद्र आर्या भी मौजूद रहे।

जंगपुरा में अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसी डीटीसी की बस, 6 लोग घायल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में शनिवार को एक डीटीसी बस अनियंत्रित होकर दुकानों में जा घुसी। इस हादसे में छह लोग घायल हो गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों को

नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है और डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर घोषित किया है। अधिकारी ने कहा कि बस सराय काले खां इलाके से जंगपुरा की ओर जा रही थी। अचानक बस के चालक ने बस पर से अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे दुकानों से जा टकराई। इस घटना के बाद इलाके में जबरदस्त जाम लग गया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने पीड़ितों के बयान दर्ज कर लिए हैं और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। चालक को गिरफ्तार कर जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

भाजपा को कोई तीसरा, चौथा नहीं दूसरा मोर्चा ही पराजित कर सकता है : प्रशांत किशोर

नई दिल्ली। भाजपा को चुनाव में पराजित करने के लिए अक्सर तीसरे और चौथे मोर्चे की बात उठती है पर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की माने तो चुनाव में भाजपा को कोई थर्ड या चौथा फ्रंट नहीं हरा सकता, अगर बीजेपी को मात देनी है तो ऐसा करिश्मा सिर्फ दूसरा फ्रंट ही कर सकता है। इसलिए बीजेपी को हराने के लिए दूसरे मोर्चे को मजबूती से उभरना होगा। उन्होंने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में प्रशांत किशोर ने आगामी आम चुनाव 2024 को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अगर हराना है तो इसके लिए दूसरे मोर्चे को मजबूती से उभरना होगा। जब पीके से सवाल किया गया कि क्या वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी को 2024 के आम चुनाव में तीसरे मोर्चे के रूप में उभरने में मदद कर रहे हैं तो जवाब में उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं माना कि इस देश में कोई तीसरा या चौथा मोर्चा चुनाव जीत सकता है। अगर हम भाजपा को पहला मोर्चा मानें तो उन्हें हराने के लिए दूसरा मोर्चा होना चाहिए। अगर कोई पार्टी भाजपा को हराना चाहती है तो उन्हें दूसरे मोर्चे के रूप में मजबूती से उभरना होगा, तभी बात बनेगी।" पीके ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे कांग्रेस को दूसरा मोर्चा नहीं मानते। उनकी नजर में कांग्रेस पार्टी सिर्फ देश की दूसरी बड़ी पार्टी है।

दिल्ली में कोरोना के 1,607 नये केस, दो की मौत

-इस दौरान दिल्ली में संक्रमण दर 5.28 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पिछले चौबीस घंटों में कोरोना वायरस से संक्रमित दो और लोगों की मौत के साथ 1,607 नये केस सामने आए हैं। इस दौरान दिल्ली में संक्रमण दर 5.28 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, पिछले दिन आए नए मामलों के बाद राजधानी में कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर

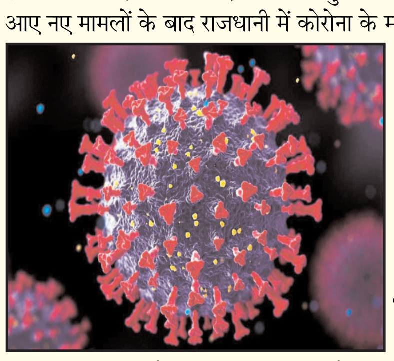

18,81,555 हो गई, जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 26,174 हो गई है। राजधानी में 4.62 प्रतिशत संक्रमण दर के कोरोना संक्रमण के 1,490 मामले आए थे, इस दौरान दो और मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, गुरुवार को कुल 30,459 नमूनों की कोरोना वायरस संक्रमण जांच की गई थी। गौरतलब है कि इस साल 13 जनवरी को महामारी की तीसरी लहर के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में दैनिक कोविड-19 के मामलों की संख्या 28,867 के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गई थी। दिल्ली में 14 जनवरी को 30.6 प्रतिशत संक्रमण दर दर्ज की गई थी, जो महामारी की तीसरी लहर के दौरान सर्वाधिक थी, जो काफी हद तक कोरोना वायरस के अत्यधिक पारगम्य ओमीक्रोन संस्करण के कारण थी। बुलेटिन में कहा गया है कि गृह पृथक्कवास में रह रहे मरीजों की संख्या 3,863 थी। दिल्ली के अस्पतालों में कोविड-19 रोगियों के लिए 9,581 बिस्तर उपलब्ध हैं, जिनमें से 148 फिलहाल मरीजों का इलाज चल रहा है।

अमित शाह के लिए 3 मई को आगमन के बाद रात्रि भोजन की मेजबानी करेंगे सीएम बोम्मई

बेंगलुरु। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 3 मई को कर्नाटक दौरे पर पहुंच रहे हैं। शाह के प्रवास के दौरान राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई 3 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए अपने आधिकारिक आवास पर एक रात्रिभोज (डिनर पार्टी) की मेजबानी करेंगे, जिसके दौरान बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। इसका सीधा असर राज्य के विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और कोर कमेटी के सदस्य शामिल होंगे। राज्य में बीजेपी नेता कैबिनेट विस्तार पर जल्द फैसला लेने का दबाव बना रहे हैं। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए केवल 10 महीने बाकी हैं और अगर फैसला लेने में ज्यादा समय लग जाता है तो वे कुछ नहीं कर पाएंगे। नेता राज्य सरकार और पार्टी के बीच समन्वय सुनिश्चित करने और दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को दूर करने पर चर्चा करेंगे। वे इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि कांग्रेस को सत्ता से कैसे दूर रखा जाए और आम आदमी पार्टी (आप) और कर्नाटक के किसान संगठन के बीच बने गठबंधन के प्रभाव पर भी चर्चा होगी।

बोम्मई ने कहा था कि वह 30 अप्रैल को अपनी नई दिल्ली यात्रा के दौरान कैबिनेट विस्तार के बारे में बात नहीं करेंगे, हालांकि, सूत्रों ने पुष्टि की है कि वह शीर्ष नेताओं के साथ पहले दौर की जरूरी बातचीत करने जा रहे हैं।

बीटीपी के साथ भरूच में संयुक्त रैली को आज संबोधित करेंगे सीएम केजरीवाल

अहमदाबाद। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक मई को गुजरात के भरूच में छोटू वसावा की भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के साथ एक संयुक्त रैली में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल भरूच में आदिवासी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को बीटीपी विधायक छोटू वसावा और उनके बेटे एवं विधायक महेश वसावा के आवास से रैली का आगाज करेंगे। रैली में होने वाले सार्वजनिक संबोधन से पहले दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में बैठक होने की उम्मीद है। आप नेताओ ने कहा कि वसावा के आवास से केजरीवाल आदिवासी संकल्प

महासम्मेलन नामक एक बड़ी जनजातीय सभा को संबोधित करने के लिए भरूच जिले के वालिया तालुका के चंदेरिया गांव जाएंगे, जहां भरूच, सूरत, नर्मदा और वडोदरा जिलों के स्थानीय आदिवासी भाग लेंगे। जनसभा के बाद केजरीवाल वसावा के साथ दोपहर के भोजन के लिए उनके आवास पर लौटेंगे और उसके बाद स्थानीय आदिवासी नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वह वड़ोदरा में पार्टी इकाई के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे और फिर रविवार शाम वडोदरा हवाई अड्डे से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। बता दें कि एक महीने से भी कम समय में केजरीवाल की यह दूसरी गुजरात यात्रा है। हालांकि दक्षिण गुजरात और वडोदरा में यह उनका पहला दौरा है। आप के नेताओं ने कहा कि पार्टी गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए वोट बैंक मजबूत कर रही है। यहां आदिवासी सीटें समीकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इससे पहले वसावा ने गठबंधन को अंतिम रूप देने के लिए 9 अप्रैल को नई दिल्ली में केजरीवाल से मुलाकात की थी। बीटीपी कई वर्षों तक कांग्रेस की सहयोगी थी। उसने 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ हाथ मिलाया था।

भाजपा शासन में उप्र स्वास्थ्य इंडेक्स सबसे निचले स्तर पर पहुंचा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा राज में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य इंडेक्स में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य मंत्री के दौरों के बाद भी हालात में बदलाव का कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहा है। विज्ञापनों पर सब कुछ ठीकठाक है पर धरातल पर सब चौपट नजर आता है। शाहजहांपुर के मेडिकल कॉलेज में वार्डब्वायों का अतापता नहीं मिलता है, तीमारदारों को स्ट्रेचर खुद ही खींचना पड़ रहा है। मेरठ में एम्बूलेंस घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिली तो पीठ पर बीमार बेटी को लादकर पिता अस्पताल में इलाज के लिए भटकता रहा। प्रतापगढ़ के सरकारी अस्पताल में एक बेड पर दो-दो मरीजों का इलाज हो रहा है। ओपीडी में कभी डॉक्टर नहीं बैठते तो कभी समय से पहले ही बंद हो जाती है। सुल्तानपुर के जिला अस्पताल में मरीज फर्श पर तड़पते दिखाई देते हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करोड़ों रुपये की धनराशि बजट में आवंटित होती है, पर वह कहां जाती है, पता नहीं ? आगरा के सरकारी अस्पताल में खटारा एम्बूलेंस और टूटे तख्त मरीजों की तकदीर बन गए हैं। कोई लोगों का दुःख दर्द सुनने वाला नहीं हैं। लखनऊ में भी, जहां पूरा शासन-प्रशासन सिर पर बैठा है, अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार दूर की कौड़ी लग रहा है। मरीजों से अभद्रता, समय पर इलाज

न मिलने और इलाज के नाम पर तमाम जांचों के नाम पर लूट खुलेआम हो रही है। प्राईवेट अस्पतालों के दलालों को छूट मिली हुई है। मुफ्त इलाज, मुफ्त दवाई का शोर मुख्यमंत्री बहुत करते हैं पर सच यह है कि जनता को धोखा दिया जा रहा है। आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री जनऔषधि योजना जैसी बातें और दावे हवाई हैं। लोग त्रस्त हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार के बावजूद अस्पतालों में गम्भीर बीमारियों की जांच के लिए लगे बड़े-बड़े यंत्र-उपकरण धूल खा रहे हैं। भाजपा सरकार में बिजली का भारी संकट होने से अस्पतालों में बीमार लोग एवं उनके ऑपरेशन और उपचार के लिए डॉक्टर भी बिजली की आवाजाही से त्रस्त हैं।

सरकार ने सही समाधान ढूंढ़ लिया, यात्री ट्रेन रद्द करो और कोयला से लदी ट्रेन को चलाओ : चिदंबरम

नई दिल्ली। देश में बिजली के बढ़ते संकट और किल्लत को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार ने 'सही समाधान' ढूंढ़ लिया है, जो यात्री ट्रेन को रद्द करने और कोयला से लदी ट्रेन (मालगाड़ी) चलाने का है। विभिन्न राज्यों में शुक्रवार को बिजली का संकट गहराया रहा। पिछले दिन के सर्वाधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान ने इस मांग को और बढ़ा दिया। विपक्षी दलों ने ताप संयंत्रों में कोयले की कमी के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर होते हुए चिदंबरम ने कहा, 'प्रचुर मात्रा में कोयला, बड़े रेल नेटवर्क, ताप संयंत्रों में अप्रयुक्त क्षमता, फिर भी बिजली की भारी किल्लत है। केंद्र सरकार को दोष नहीं दिया जा सकता है। यह कांग्रेस के 60 साल के शासन के कारण है!' उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, 'कोयला, रेलवे या बिजली

मंत्रालयों में किसी तरह की अक्षमता नहीं है। दोष उक्त विभागों के पिछले कांग्रेस के मंत्रियों का है!' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा, "सरकार ने इसका सही समाधान ढूंढ़ लिया है: यात्री ट्रेन रद्द करो और कोयला लदी ट्रेन को चलाओ! मोदी है, मुमकिन है।" गौरतलब है कि लू (हीटवेव) जारी रहने के कारण देशभर में बिजली की मांग शुक्रवार को 207.11 गीगावॉट के सर्वकालिक उच्चतम स्तर को छू गई और रेलवे ने कोयला माल ढुलाई की सुविधा के लिए 42 यात्री ट्रेन को रद्द कर दिया। इसके अलावा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) डिवीजन के साथ, जो कोयला उत्पादक क्षेत्रों तक जाता है, ने 34 ट्रेन को रद्द कर दिया। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा बिजली संकट के लिए केंद्र को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि बिजली संयंत्रों को कोयला वितरण के लिए रसद सहायता प्रदान नहीं की जा रही है।

42 साल सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए जनरल नरवणे, मनोज पांडे ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। देश के 28वें थल सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे शनिवार को 28 महीने का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। साउथ ब्लॉक लॉन में सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करके उन्हें विदाई दी गई। जनरल एमएम नरवणे ने सेवानिवृत्त होने के बाद राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर माल्यार्पण करके शहीदों को श्रद्धांजलि दी। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने जनरल एमएम नरवणे से भारतीय सेना के आज ही 29वें सेनाध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। उन्हें औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने के लिए 01 मई को सुबह 09:30 बजे साउथ ब्लॉक लॉन, गेट नंबर 2 के पास गार्ड ऑफ ऑनर दिया जायेगा। जनरल नरवणे ने 28वें सेना प्रमुख के रूप में 31 दिसंबर, 2019 को कार्यभार संभाला था। वह भारतीय सेना प्रमुख तीन दिवसीय दौरे पर 03 अप्रैल को सिंगापुर गए थे। जनरल नरवणे शनिवार को 28 महीने का कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। साउथ ब्लॉक लॉन में सेरेमोनियल गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान करके उन्हें विदाई दी गई। जनरल नरवणे ने सेवानिवृत्त होने के बाद राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर जाकर माल्यार्पण करके शहीदों को श्रद्धांजलि दी। थल सेनाध्यक्ष जनरल नरवणे ने पत्नी वीना नरवणे के साथ राष्ट्रपति

भवन जाकर सैन्य बलों के सर्वोच्च कमांडर रामनाथ कोविंद और प्रथम महिला सविता कोविंद से मुलाकात की। देश की 42 साल सेवा करने के बाद सेवानिवृत्त होने पर जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। रक्षा मंत्री ने ट्वीट करके कहा कि "जनरल नरवणे के साथ शानदार मुलाकात हुई। एक सैन्य नेता के रूप में उनके योगदान ने भारत की रक्षा क्षमताओं और तैयारियों को मजबूत किया है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करता हूं।" भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत का 08 दिसम्बर, 2021 को हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन होने के बाद से रिक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीएससी) के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त प्रभार जनरल नरवणे को सौंपा गया है। नरवणे को इस पद का प्रभार मौजूदा तीनों सेना प्रमुखों में सबसे वरिष्ठ होने के कारण दिया गया है। तीनों सेना प्रमुखों में से सबसे वरिष्ठ को ही चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने की परंपरा है। सीएससी का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के बाद से ही जनरल नरवणे का नाम सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) पद के लिए सबसे आगे है। अब जल्द ही देश के अगले सीडीएस के रूप में जनरल नरवणे के नाम का औपचारिक रूप से ऐलान हो सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने जनरल नरवणे से आज ही भारतीय सेना के 29वें सेनाध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। उन्हें औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने के बाद 01 मई को सुबह 09:30 बजे साउथ ब्लॉक लॉन, गेट नंबर 2 के पास गार्ड ऑफ ऑनर दिया जायेगा। वह अभी तक सेना के 43वें वाइस चीफ थे और उन्होंने यह कुर्सी 01 फरवरी, 2022 को संभाली थी। थल सेनाध्यक्ष बनने वाले लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे कोर ऑफ इंजीनियर्स के पहले अधिकारी हैं।

सम्पादकीय

सरकार ने टी वी चैनल्स को दिखाया दर्पण: देर आयद दुरुस्त आयद

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने गत दिनों टीवी चैनल्स के लिये एक चेतावनी रुपी ऐडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने इस ऐडवाइजरी के माध्यम से रूस व यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध तथा पिछले दिनों राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद देश के मुख्य धारा के निजी टीवी चैनलों के प्रसारण के तरीकों व इनसे संबंधित कार्यक्रमों में अपनाई गयी आपत्तिजनक भाषा व शीर्षक आदि पर सख़्त एतराज जताते हुये कहा है कि 'कुछ चैनल इन घटनाओं के प्रसारण में सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का इस्तेमाल करते हुये इन्हें भ्रामक और सनसनीखेज तरीके से प्रसारित कर रहे हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने झूठे दावे करने और अस्वीकार्य भाषा का प्रयोग करने वाले ऐसे टी वी चैनल्स को चेतावनी देते हुए कहा है कि, यदि आवश्यक समझा जाएगा तो केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995 में निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत इस प्रकार के चैनल्स अथवा ऐसे आपत्तिजनक कार्यक्रमों के प्रसारण को प्रतिबंधित भी किया जा सकता है। टी वी चैनल्स को भेजी गयी अपने ऐडवाइजरी में सरकार ने विभिन्न चैनल्स द्वारा प्रसारित की गयी भोंडे,अनावश्यक तथा भड़काऊ व उकसाने वाले कई आपत्तिजनक शीर्षक का जिक्र भी किया। उदाहरण के तौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के संबंध में 18 अप्रैल 2022 को एक टी वी चैनल ने 'यूक्रेन में एटमी हड़कंप' के शीर्षक से कार्यक्रम प्रसारित किया। इस रिपोर्ट में कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का हवाला गलत व अनावश्यक तरीके से दिया गया। इसी तरह एक चैनल ने लोगों को भयभीत करते हुये यह खबर प्रसारित कर डाली कि 'रूस ने यूक्रेन पर परमाणु हमले के लिए 24 घंटे की डेडलाइन दी है'। इसी तरह 'परमाणु पुतिन से परेशान जेलेंस्की','आधिकारिक रूसी मीडिया ने कहा है कि तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो चुका है।' आदि भ्रामक खबरें चलायीं गयीं। यहाँ तक कि एक चैनल द्वारा अपने झूठे दावों की पुष्टि करते हुये एक वीडियो भी दिखाया गया जिसमें कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन को अपने साथ कथित रूप से एक न्यूक्लियर ब्रीफ केस लेकर चलते हुये दिखा दिया। इसी प्रकार के अनेक सनसनीखेज शीर्षक जैसे 'न्यूक्लियर निशाना, हैरतअंगेज खुलासा वर्ल्ड वॉर का।' 'यूक्रेन से पुतिन का परमाणु प्लान तैयार?', 'एटम बम गिरेगा? तीसरा विश्व युद्ध शुरू होगा' 'ये रात कयामत वाली है', 'रूस परमाणु हमला कब करेगा,कहां करेगा?' तथा 'विश्व युद्ध के मुहाने पर दुनिया' जैसे सनसनीखेज शीर्षक लगाने व ऐसे शीर्षक पर आधारित कार्यक्रम प्रसारित करने का भी जिक्र ऐडवाइजरी में किया गया है। इसी तरह सरकार ने दिल्ली जहांगीरपुरी हिंसा की रिपोर्टिंग के उकसाऊ व आपत्तिजनक तरीकों व इनसे संबंधित भड़काऊ शीर्षक व कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया। जैसे 'दिल्ली में अमन के दुश्मन कौन', 'बड़ी साजिश दंगे वाली, करौली, खरगौन वाया दिल्ली', 'हिंसा से एक रात पहले साजिश का वीडियो' अली बली, कहां कहां खलबली? और 'अली, बजरंगबली पर खलबली' तथा एक टी वी चैनल द्वारा प्रसारित 'हुंकार' शीर्षक के कार्यक्रम में प्रयुक्त आपत्तिजनक भाषा के प्रयोग का जिक्र करते हुये सभी टी वी चैनल्स को नियमों के अंतर्गत ही कार्यक्रम प्रसारित करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार चैनल्स ने समाचारों में असंसदीय, भड़काऊ और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा का प्रयोग किया तथा सांप्रदायिक टिप्पणियों और अपमानजनक संदर्भों वाली बहसें प्रसारित कीं, जो दर्शकों पर नकारात्मक मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल सकती हैं और सांप्रदायिक वैमनस्य को भी भड़का सकती हैं। इससे बड़े पैमाने पर शांति भंग हो सकती है। सरकार द्वारा टी वी चैनल्स के लिये जारी यह दिशा निर्देश निःसंदेह सराहनीय हैं। यह काम तो सरकार को बहुत पहले ही कर लेना चाहिए था। क्योंकि देश के अनेक टी वी चैनल्स यहाँ तक की देश में सबसे अधिक टी आर पी बटोरने वाले टी वी चैनल्स तो कई वर्षों से इस तरह के सामाजिक विष रोपण का काम करते आ रहे हैं। इनमें कई चैनल्स के स्वामी तो सत्तारूढ़ दल के सांसद व सत्ता के करीबी उद्योगपति हैं। विगत लगभग एक दशक से इन्होंने भारतीय समाज को अपने ऐसे ही भोंडे कार्यक्रमों,शीर्षकों व अति आपत्तिजनक शब्दावलियों से विभाजित करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी।

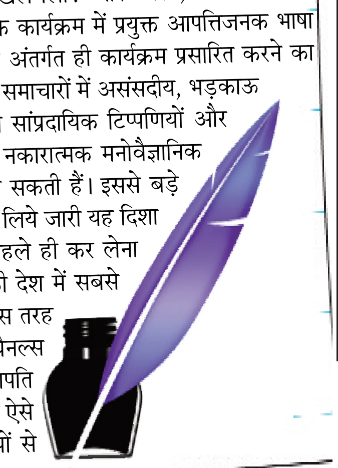

कोरोना काल ने दिखा दी 'अपने घर' की अहमियत

लेखिका- सोनम लववंशी /ईएमएस

याद कीजिए जब कोरोना महामारी अपने चरम पर थी और चारों तरह सब कुछ बंद हो गया था। महानगरों और बड़े शहरों में रहने वाले लोग भयभीत थे कि अब कहां जाएं, क्या करें और कैसे किसी को अपनी व्यथा बताएं, तो उन्हें सबसे पहले अपना घर याद आया होगा। वो घर जिसे वो किसी छोटे शहर या गांव में छोड़ आए थे। उस घर में माँ, पिता, बहन या छोटा भाई होगा! हो सकता है चाचा, चाची और ताऊ जी भी हों! निश्चित रूप से उन्हें वो सब याद आए होंगे! अहसास हुआ होगा कि यहां अकेले डर डरकर रहने से अच्छा है हम घर में होते या घर के वो सारे लोग साथ होते, जिन्हें हम अकेला छोड़ आए! ये पीड़ा तब और बढ़ी होगी, जब उन्होंने महानगरों में काम करने वाले मजदूरों को सर पर गठरी बांधकर पैदल ही घर जाते देखा होगा। उस सफर पर जिसकी मंजिल उन्हें मिलेगी भी नहीं, पता नहीं था! पर, एक जिद थी, अपने घर जाने की। दरअसल, ये कोरोना त्रासदी का सबसे सकारात्मक पक्ष है कि इसने लोगों को संयुक्त परिवार यानी अपने घर की अहमियत बता दी। जो लोग समय पर अपने घर-परिवार में पहुंच गए उनसे उनका सुकून पूछिए! वो अहसास पूछिए जो उन्हें 'अपने घर' जा कर महसूस हुआ! देखा गया है कि जो लोग संयुक्त परिवार में रहते हैं, वे मानसिक अवसाद का शिकार नहीं होते। क्योंकि, किसी को समस्या को लेकर उनकी सोच होती है कि घर वाले साथ हैं, जो होगा निपट लेंगे! जबकि, महानगरों में एक बेडरूम वाले फ्लैट में रहने वाले पति-पत्नी और एक बच्चे वाली कैप्सूल फैमिली हर वक़्त तनाव में घिरे रहते हैं। ऐसे में कोरोना काल ने उनकी परेशानियां ज्यादा बढ़ाई थी! महामारी के दौरान जब घर से काम करने का विकल्प सामने आया तो कई लोगों ने 'घर' नहीं छोड़ा! क्योंकि, वे संयुक्त परिवार का हिस्सा बन चुके थे। जब कोरोना का असर कम हुआ तो कई लोग अपना परिवार छोड़कर नहीं लौटे! ये स्थिति मजदूर वर्ग में ज्यादा दिखाई दी! बताते हैं कि 30 से 35 प्रतिशत मजदूर वापस काम करने महानगर नहीं लौटे और अपने गांव में ही छोटा-मोटा काम करके बस गए! ये वो सच्चाई है, जिसने भारतीय समाज का ढांचा बदल दिया। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान एवं मानसिक स्वास्थ्य विभाग के एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया कि कोरोना महामारी के चलते अकेले रह रहे लोगों में परिवार के साथ रहने की इच्छा बढ़ी है। परिवार के साथ घर पर लम्बा समय बिताने के बाद लोगों ने पहले से अच्छा महसूस किया। यहां तक कि लोग मानसिक तनाव जैसी बीमारी से भी उबर गए। विश्वविद्यालय के इस विभाग ने करीब दो हजार लोगों से इस मसले पर टेलीफोन पर लम्बी बातचीत की, तो कई चौंकाने वाले तथ्य उनके सामने आए। विभाग के एचओडी डॉ एपी सिंह के मुताबिक करीब 700 लोगों ने माना कि वे चाहते हैं, कि संयुक्त परिवार में परिजनों के साथ ही रहें, ताकि बेहतर और सुरक्षित रह सकें। जो लोग अक्सर छुट्टियों में अपने घर जाते थे, उनमें जल्दी घर जाने की इच्छा हो रही है। यह सारा बदलाव कोरोना महामारी के चलते हुआ। वे परिवार के साथ समय बिताकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव बच्चों पर भी पड़ा है। कोरोना महामारी के कदम रखने के साथ लोगों में बीमारी को लेकर डर बैठ गया था, वो भी घट गया। करीब 400 लोगों ने माना रोग प्रतिरोधक क्षमता ठीक होने और बचाव करने से किस बीमारी से बचा जा सकता है।

यह सच है कि परिवार के अस्तित्व के बिना भारतीय समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। बाजारवाद के इस दौर में भले ही हमारे रिश्तों के बंधन कमजोर पड़ गए हों, पर परिवार में प्रेम आज भी बरकरार है। आधुनिकता की दौड़ में हमने भले ही खुद को बदल लिया है, पर हमारी संस्कृति के मूल में परिवार की जड़ें अभी बरकरार है, जो हमें संस्कारों से जोड़कर रखती है। हमारी छोटी-बड़ी खुशियां, कामयाबी यहां तक कि हमारी उदासियों में भी हमारा परिवार हमारे साथ होता है। एकल परिवार का चलन जरूर बढ़ा, पर इनमें वह प्रेम नहीं, जो संयुक्त परिवार में होता है। बीते दो साल में कोरोना के कहर ने मानव प्रजाति के अस्तित्व को ही संकट में डाल दिया था। लेकिन, इस कहर ने संयुक्त परिवार की अहमियत का बखूबी अहसास करा दिया। कई टूटे परिवार फिर से जुड़ गए और लोग परिवार के महत्व को समझने लगे। महामारी ने लोगों को जता दिया कि अपना घर यानी संयुक्त परिवार क्या होता है। कई बिखरे परिवारों में रिश्तों की महक फिर लौट आई। ये सच है कि संयुक्त परिवार की जो तस्वीर 60 और 70 के दशक में दिखाई देती थी, वह कुछ हद तक फिर दिखाई देने लगी। कई बच्चे जो माता-पिता को छोड़कर विदेशों में बस गए थे, वे भी अपने वतन लौट आए। एक तरफ जहां कोरोना काल ने सोशल डिस्टेंस को बढ़ावा दिया, दूसरी तरफ परिवारों के बीच नजदीकियां बढ़ा दी। लोग पारिवारिक रिश्तों की कद्र करना सीख गए और 'बड़े घर' का चलन फिर शुरू हो गया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर के सर्वे के मुताबिक कोरोना काल में परिवार के साथ समय बिताने हंसने-मुस्कुराने से न केवल कोरोना का खतरा कम हुआ, बल्कि परिवारों में आपसी स्नेह और अपनापन भी बढ़ गया। कोरोना भले महामारी बनकर दुनिया के लिए संकट लेकर आई हो, पर उसने रिश्तों को मजबूती जरूर दी। कोरोना की कड़वाहट ने निराशा के जो बीज मानव मन में रूप दिए थे, उन्हें परिवार की मिठास ने दूर कर दिया। आज के दौर में शहरों के साथ गांव में भी संयुक्त परिवार दरक रहे हैं। क्योंकि, जो नई पीढ़ी पढ़ने के लिए शहर में आई, वो वापस गांव नहीं गई! वे ये भूल गए कि बच्चों को जो संस्कार परिवार के सानिध्य में मिलते थे, उन्हें कहीं और नहीं सीखा जा सकता। सभी बिखरे परिवार फिर से शायद न भी जुड़े, पर रिश्तों के बीच प्रेम और अपनापन बनाए रखना जरुरी है और कोरोना ने उसका अहसास करवा दिया। आने वाली पीढ़ी को साथ रहकर चलने की सीख देनी होगी, क्योंकि जो टहनियां शाखों से टूट जाती है उनका कोई वजूद नहीं रहता है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को जोड़े रखने के लिए संयुक्त परिवार की ओर लौटना होगा। तभी हम अपना वर्तमान और आने वाला भविष्य बेहतर कर सकता है। कवि लक्ष्मण धामी 'मुसाफिर' ने संयुक्त परिवार की अहमियत बताते हुए कहा है 'एकाकी जीवन सदा, बैठा दुःख की छांव। पड़ जाते परिवार में, बरबस सुख के पांव!' संयुक्त परिवार के कारण लोगों को तनाव, अवसाद, चिंता, अकेलेपन से भी निजात मिली। अमेरिकी डेल कारनेगी ने एक किताब लिखी थी, जिसका हिंदी टाइटल है 'चिंता छोड़ो, सुख से जिओ।' इस किताब में बार- बार कहा गया है, कि कुछ लाइलाज बीमारियों को छोड़ दें तो कई बीमारियों के मूल में अवसाद, चिंता, अकेलापन और कुछ अन्य मनोविकार होते हैं। यह सब इसीलिए लोग अकेले रहने लगे। 'एम्स' के निदेशक गुलेरिया भी कह चुके हैं, कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हालात काबू से इसलिए बाहर जा रहे थे कि लोग जरा सी बात में चिंतित हो रहे थे, आतंकित हो रहे थे और भागदौड़ कर रहे थे। क्योंकि, मौत से बढ़कर होता है मौत का डर। अब यदि पुरातन संयुक्त परिवार प्रथा की समाज में जगह बन रही तो इसे कोरोना के विरूद्ध उम्मीदों भरा आकाश भी कहा जा सकता है।

आज का कार्टून।

भूमि संरक्षण का संकट

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

पर्यावरण वैज्ञानिकों के सामने इस वक्त एक बड़ी चिंता आर्द्रभूमि (वेटलैंड) के संरक्षण को लेकर उभरी है। धरती के पर्यावरण में नम या आर्द्र भूमि की अहमियत वैसे ही है जैसे शरीर में गुर्दे की। नम भूमि ही धरती के भीतर मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आर्द्रभूमि जैव विविधता से लेकर मीठे पानी के जलाशयों, कार्बन अवशोषण और आजीविका का भी बड़ा स्रोत मानी जाती है। ऐसे में यदि आर्द्र भूमि खत्म होती जाएगी तो धरती पर नए तरह का संकट खड़ा हो जाएगा। भारत में आर्द्रभूमि देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 4.7 फीसद है। जाहिर है, यह काफी कम है और इसलिए इसका संरक्षण कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। वैसे दुनियाभर में आर्द्रभूमि पर संकट गहराता जा रहा है। इसलिए इसे बचाने के लिए पहली बार दो फरवरी 1971 को ईरान के रामसर शहर में वैश्विक सम्मेलन बुलाया गया था और दुनियाभर में फैली आर्द्रभूमि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी गई थी। अंतरराष्ट्रीय महत्व की लगभग 2400 आर्द्रभूमियों में से 47 भारत में हैं और उन्हें रामसर स्थल कहा जाता है। ये विश्व स्तर पर प्रमुख संरक्षित स्थलों में से हैं। ईस्ट कोलकाता आर्द्रभूमि, पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर के पूर्व में स्थित प्राकृतिक और मानव निर्मित आर्द्र भूमि का एक बड़ा परिसर है जो 125 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यहां कृषि क्षेत्र, सीवेज फार्म और कई तालाब हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण और भूमि उपयोग में बदलाव के कारण आर्द्र भूमि का लगातार क्षरण हो रहा है। सिर्फ पिछले एक दशक में हम लगभग 30 फीसद भूमि खो चुके है। आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए भारत में कोई मजबूत नियामक ढांचा नहीं है। इस समस्या को अभी भी अलग-थलग करके देखा जा रहा है। जल

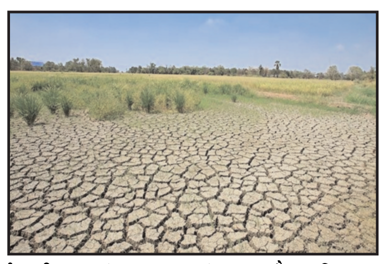

संसाधन प्रबंधन और विकास योजनाओं में शायद ही इसका उल्लेख किया जाता है। ऐसे संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों के प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी पर्यावरण और वन मंत्रालय के हाथों में है। हालांकि भारत रामसर सम्मेलन और जैविक विविधता के सम्मेलन दोनों का हस्ताक्षरकर्ता है, लेकिन हैरानी की बात यह कि आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए कोई स्पष्ट नियामक ढांचा नहीं है। मानसून के समय जल-प्रसार का मापन कर उसे राजस्व रिकार्ड में दर्ज कर देना चाहिए। मानसून के बाद से ग्रीष्म काल तक आर्द्रभूमि के जल प्रसार क्षेत्र में उल्लेखनीय कमी पाई जाती है जिसका फायदा उठा कर लोग अतिक्रमण करते हैं। मानसून के बाद फैले जल का परिसीमन करके भू-राजस्व अभिलेखों को ठीक से बनाए रखा जाना चाहिए। तालाबों, झीलों और आर्द्र भूमि के पुनरुद्धार के लिए कार्य योजना का निर्माण वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए, न कि तदर्थ उपायों पर। सिंचाई की बेहतर तकनीकों को अपना कर भूजल पर दबाव कम किया जा सकता है। इसके अलावा किसानों को मोटा अनाज उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिसमें बहुत अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है। पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक समग्र वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण की जरूरत होती है। इसमें जनभागीदारी और सहयोग जरूरी है। कई मामलों में स्थानीय समुदायों की उपेक्षा भी ऐसे संकट को बढ़ाती है। आर्द्र भूमि के तट पर रहने वाले समुदाय स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हैं क्योंकि अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए वे पारिस्थितिक तंत्रों पर ही निर्भर हैं। ऐसे में पारिस्थितिकी तंत्र का प्रभावी प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गया है।

विनम्रता का पाठ

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो? दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

जम्मू-कश्मीर: चुनाव जीतना जरूरी या कश्मीरी पण्डितों की वापसी....?

लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

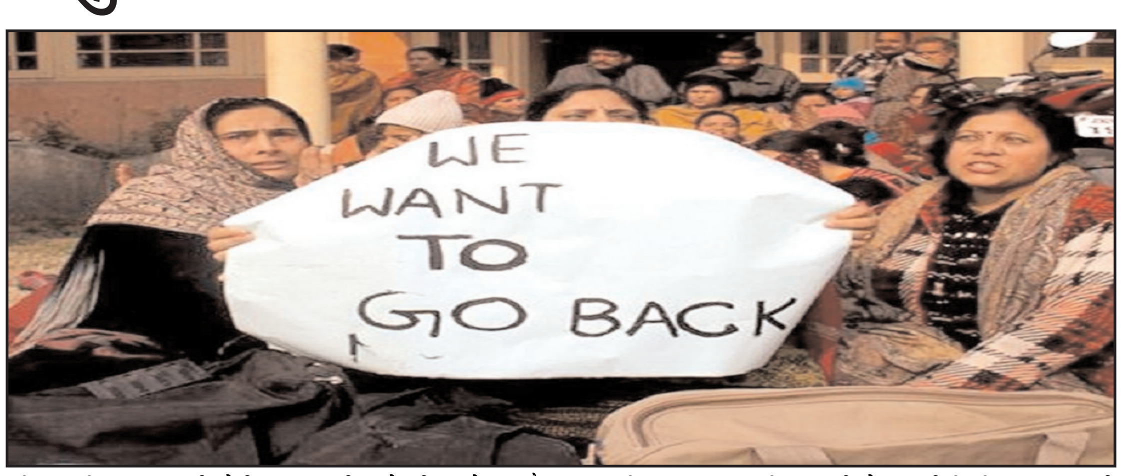

भारत में भाई श्री नरेन्द्र मोदी पिछले आठ सालों से प्रधानमंत्री पद पर विराजित है, 2014 में लोकसभा चुनावों के समय भारतीय जनता पार्टी ने अपना संकल्प पत्र तैयार किया था, उसमें प्राथमिकता से कश्मीर का मुद्दा उठाया था और अनुच्छेद-370 के खात्में के साथ लगभग बीस साल पहले कश्मीर से निष्कासित कश्मीरी पण्डितों की कश्मीर वापसी का संकल्प शामिल था, मोदी शासनकाल में इस संकल्प के आधे हिस्से (अनुच्छेद-370 के खात्में) को तो मूर्तरूप दे दिया, किंतु बीस साल से अपनी मातृभूमि से निर्वासित जिन्दगी बिताने वाले करीब पैंसठ हजार कश्मीरी पण्डित परिवार आज भी मोदी सरकार की ओर आशाभरी नजरों से देख रहे है और केन्द्र में सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी जम्मू-कश्मीर विधानसभा पर अपनी विजय पताका फहराने की जुगत में व्यस्त हो गए है। यदि हम जम्मू-कश्मीर के पुराने इतिहास पर नजर डालें, तो आजादी के बाद जब पाकिस्तान के रूप में भारत के बंटवारें का फैसला हुआ था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. नेहरू, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा तत्कालीन गृहमंत्री वल्लभ भाई पटेल के बीच जम्मू-कश्मीर को लेकर काफी गंभीर चिंतन हुआ था, नेहरू जी के परम प्रिय मित्र शेख अब्दुल्ला तथा अन्य कश्मीरी नेताओं ने तब जम्मू-कश्मीर को भारत में ही रखने का फैसला यद्यपि उस समय जम्मू-कश्मीर में इस मसले पर जनमत करो का भी फैसला हुआ था, किंतु नेहरू व शेख साहब जानते थे कि कश्मीर के बाशिन्दे पाकिस्तान में शामिल होने के पक्ष में थे, इसलिए नेहरू जी ने पूरा जोर लगाकर जनमत नहीं होने दिया और जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बन गया, किंतु पाकिस्तान के हुक्मरान नेहरू के इस फैसले से सहमत नहीं हुए, इसीलिए आज भी पाकिस्तान वाले जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का ही हिस्सा बता रहे है, जबकि अब भारत में पाक अधीकृत कश्मीर को वापस लेने की मांग शुरू हो गई है, यदि उस समय जनमत करवा लिया गया होता तो आज यह जम्म-कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं होता, यही स्थिति वहां आज भी है, कश्मीर के बाशिंदे आज भी दिल से अपने आपको पाकिस्तानी ही मान रहे है और इस क्षेत्र में आतंकवाद के विस्तार का भी एकमात्र यही कारण है। सही तथ्य तो यह है कि भारत के बंटवारें में कश्मीर के भारत में रहने का दर्द अभी भी कश्मीरी मुसलमान अपने दिल में पाल रहे है और वे नहीं चाहते कि मुस्लिमों के अलावा किसी अन्य कौम का कोई भी शख्स कश्मीर में रहे, इसीलिए 1990 में एक अभियान चलाकर कश्मीरी पण्डितों को कश्मीर छोड़ने को मजबूर किया गया और वे पिछले बत्तीस सालों से निर्वासित जिन्दगी बसर कर रहे है, किंतु 2014 में भाजपा की देश में सरकार बनने और मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें यह विश्वास हो गया था कि यह हिन्दूवादी सरकार कश्मीरी पण्डितों का दर्द समझेगी और उनकी कश्मीर वापसी की व्यवस्था करेगी, भोपाल ने चूंकि अपने चुनावी संकल्प पत्र में यह मुद्दा शामिल भी किया था, इसलिए कश्मीरी पण्डितों की उम्मीद और अधिक बलवती हो गई थी, किंतु अब धीरे-धीरे वे भी निराश होने लगे है, क्योंकि मोदी के आठ साल के शासन के बाद भी उनका यह संकल्प मूर्तरूप धारण नहीं कर पाया और अब चूंकि पिछले लम्बे समय से केन्द्र के अधीन यह राज्य है, जहां का मुखिया उपराज्यपाल है, अब लग रहा है कि भाजपा ने यहां चुनावी माहौल बनाने की कौशिश की है किंतु चूंकि केन्द्र सरकार को अपनी खूफिया रिपोर्ट में जम्म-कश्मीर से अनुच्छेद-370 खत्म करने की आम नाराजी की सूचना मिल रही है, इसलिए भाजपा यहां विधानसभा चुनाव करवाने की हिम्मत नहीं कर पा रही है, अब भाजपा ने स्वयं प्रधानमंत्री जी को यह जिम्मेदारी सौंप दी है और प्रधानमंत्री इस दिशा में सक्रिय है, जिसकी झलक प्रधानमंत्री के पिछले सप्ताह के दौरे के दौरान देखने को मिली। अब एक ओर जहां मोदी जी को विधानसभा चुनावों की जल्दी है तो कश्मीरी पण्डितों को अपनी मातृभूमि पर वापसी की आस। अब देखिये इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों में से कौन से मुद्दें को प्राथमिकता के आधार पर पूर्णता प्राप्त होती है?

प्रसंगतः स्वर्ग और नरक

गणेश भक्त मुद्गल के परोपकार के कार्यों से प्रसन्न होकर एक बार देवराज इंद्र ने गणेश से कहा, 'मेरी इच्छा है कि मुनि मुद्गल को स्वर्ग में लाकर उनका सम्मान किया जाए।' इस पर नारद जी बोले, 'लेकिन क्या मुनि स्वर्ग में आने को तैयार होंगे?' वहां उपस्थिति सभी लोगों ने आश्चर्य से कहा, 'स्वर्ग में आने के लिए तो पृथ्वी लोक के सभी लोग, चाहे वे संत हों या किसान, लालायित रहते हैं। यह तो मुनि मुद्गल का सौभाग्य है कि इंद्र स्वयं उन्हें यहां आमंत्रित कर रहे हैं।' नारद ने कहा, 'फिर भी एक बार उनसे पूछ तो लेना चाहिए।' इंद्र ने अपने दो दूतों को मुनि मुद्गल के पास भेजा। दूतों ने जब मुनि को इंद्र का संदेश सुनाया तो वह बोले, 'देवदूतों, आप तो हमारे अतिथि हैं। हम आप का सम्मान करते हैं लेकिन मैं पृथ्वी लोक छोड़ कर कहीं नहीं जाऊंगा। मेरी जरूरत पृथ्वी पर है, स्वर्ग लोक में नहीं। दुखियों की सेवा करके मुझे जो आनंद यहां मिल रहा है, वैसा स्वर्ग लोक में नहीं मिलेगा।' देवदूतों ने कहा, 'मुनिवर, पृथ्वी लोक का हर व्यक्ति स्वर्ग में जगह पाने के लिए उत्सुक रहता है। फिर आप क्यों नहीं जाना चाहते?' मुनि ने कहा, 'वत्स, स्वर्ग और नरक तो पृथ्वी पर भी है। यह हमारी इच्छा पर है कि इसे स्वर्ग बनाएं या नरक। परोपकार के कार्य करके पृथ्वी को स्वर्ग बनाया जा सकता है और अधर्म का काम करके नरक। मैं पृथ्वी को स्वर्ग बनाने का काम कर रहा हूं। आप देवराज इंद्र से कहना कि मैं अपनी कुटिया छोड़ कर उनके स्वर्ण सिंहासन पर बैठने का दुख सह नहीं पाऊंगा।' यह वार्तालाप स्वर्ग लोक में बैठे इंद्र ध्यान से सुन रहे थे। वह नारद की ओर देख कर बोले, 'उनका पूरा जीवन परोपकार के कार्यों में व्यतीत हो रहा है, उनके पास स्वर्ग और नरक में अंतर करने का समय ही कहां है। अब हमें स्वयं महर्षि के पास जाकर उन्हें सम्मानित करना होगा।'

DELHI CRIME 01 may 2022:Layout 1 4/30/2022 6:24 PM Page 3

गुण्डागर्दी बर्दाश्त नहीं, पुलिस मुस्तैदी से काम करें: कंवरपाल

-कल की घटना पर शिक्षा मंत्री ने लिया संज्ञान
-दो अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

यमुनानगर, (हि.स.)। सेंट थॉमस स्कूल जगाधरी के बाहर हुई मार पिटाई की घटना पर शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने शनिवार को कड़ा संज्ञान लेते हुए जिला उपायुक्त व पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि जगाधरी विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे जिला यमुनानगर में गुंडागर्दी सहन नहीं की जाएगी। चाहे कोई भी कितना बड़ा व्यक्ति हो उसे बख्शा नही जाएगा। शिक्षा मंत्री कंवरपाल द्वारा लिए गए संज्ञान के बाद सेंट थामस स्कूल जगाधरी के बाहर मार पिटाई करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने लिया हिरासत में लेकर अन्य अभियुक्तों की धरपकड़ तेज कर दी है। शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को पूरी मुस्तैदी से कायम किया जाए। चाहे कोई भी हो वह कानून से बड़ा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जगाधरी शहर सहित पूरे जिला यमुनानगर में गुंडे बदमाशों की गतिविधियों पर जल्दी अंकुश लग जाएगा। पुलिस विभाग पूरी मुस्तैदी से अपना कार्य करें। उन्होंने कहा कि सेंट थॉमस स्कूल जगाधरी के बाहर हुई मारपीट की घटना के 24 घंटे के अंदर ही दो अभियुक्तों को जिला पुलिस ने हिरासत में ले लिया है व उनसे पूछताछ जारी है। गुडांगर्दी ,बदमाशी को सख्ती से कुचल दिया जाएगा। नागरिकों को घबराने की जरूरत नही है। नागरिकों की हिफाजत करना सरकार का दायित्व है। हमारी सरकार यह कार्य पूरी तत्परता से कर रही है।बता दें कि कल दोपहर स्कूल छुट्टी में अपनी बच्ची को लेने आये शराब कारोबारी पिता अमित पर आधा दर्जन से अधिक अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ जानलेवा हमला कर उसे अधमरा कर दिया था और मौके से फरार हो गए थे ।

पुलिस को जनता के बीच अच्छी छवि बनानी होगी : सुरेंद्रपाल

यमुनानगर, (हि.स.)। पंचकूला पुलिस मुख्यालय के सुरेंद्र पाल सिंह आईपीएस ने जिला यमुनानगर के पुलिस अधीक्षक का अतिरिक्त कार्यभार शनिवार को संभाल लिया। कार्यभार संभालते ही उन्होने लघु सचिवालय के सभागार में सभी जिला पुलिस उप अधीक्षक, थाना प्रबंधकों व अपराध यूनिटस के इंचार्ज के साथ बैठक की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी को मिलकर पुलिस की अच्छी छवि बनानी होगी। इसके लिए क्षेत्र में अधिक से अधिक गश्त करें। किसी भी आरोपी को नहीं छोड़ना है। तभी पुलिस की छवि सुधरेगी। गैर कानूनी कार्य करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि अब जिले में पुलिस की उपस्थिति दिखनी चाहिए। तभी क्राइम पर अंकुश लगेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिला में गुंडागर्दी को सहन नहीं किया जाएगा। लोगों को कोई भी दिक्कत है, तो वह फोन पर भी सूचना दे सकता है। यदि लिखित शिकायत देनी है, तो वह कार्यालय में आए। उसकी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई होगी। इस दौरान पुलिस उप अधीक्षक बिलासपुर आशीष चौधरी, पुलिस उप अधीक्षक प्रमोद कुमार, पुलिस उप अधीक्षक सुभाष चंद्र, पुलिस उप अधीक्षक रजत गुलिया सहित अन्य थाना प्रभारी मौजूद रहे।

बॉर्डर स्टेट पंजाब में आम आदमी पार्टी का आना देश हित में नहीं: अनिल विज

-आप के चरित्र पर प्रश्न चिन्ह है, यह कुछ लोगों के साथ मिले हुए हैं
-पंजाब में लोग सड़कों पर हथियार लेकर आपस में लडऩे लग गए है

गुरुग्राम, (हि.स.)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमने पहले भी कहा था कि पंजाब एक बॉर्डर स्टेट है। बॉर्डर स्टेट में आम आदमी पार्टी का आना देश के हित में नहीं है। क्योंकि इनके चरित्र पर प्रश्न चिन्ह है। यह कुछ लोगों के साथ मिले हुए हैं और उसके नतीजे सामने आ गए हैं। यह बात उन्होंने गुरुग्राम में पटियाला दंगों को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कही। उन्होंने कहा कि लोग सड़कों पर हथियार लेकर आपस में लडऩे लग गए है, यह बहुत खतरनाक है और बहुत चिंता का विषय है। लोगों को शांति रखनी चाहिए। केंद्र सरकार पर भरोसा रखना चाहिए। हम अपने देश में इस प्रकार की गतिविधियां बिल्कुल नहीं होने देंगे। करनाल के कल्हेड़ी गांव के स्कूल में दलित बच्चों को रोकने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में अनिल विज ने कहा कि किसी बच्चे को, किसी धर्म का हो, किसी जाति का हो, किसी भाषा का हो, किसी क्षेत्र का हो, कोई रोक नहीं सकता। क्योंकि हमारी सरकार इन चीजों को रिकॉग्नाइज नहीं करती। हम सब को भारतीय मानते हैं और हर भारतीय का इस देश की जो सारी संपत्तियां हैं। उन पर पूरा अधिकार है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विज पर किए गए कटाक्ष के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा कि यह उनका (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) झेंप मिटाने वाला बयान था। जिस पार्टी की नेता लड़की हूं लड़ सकती हूं, का नारा लेकर उत्तर प्रदेश में उतर गई। वे 50 प्रतिशत सीटें देने की बात करते हैं, वह हरियाणा में कुमारी शैलजा को बर्दाश्त नहीं कर सके। अब चाहे उनकी जाति की वजह से या चाहे उनके महिला होने की वजह से, पर यह बहुत बड़ी बात है।

हिमाचल की पीर पंजाल चोटी फतेह करेगी एवरेस्ट विजेता मनीषा

-मिशन पूरा करने में फतेहाबाद की बेटी मनीषा बनी है नेशनल टीम की लीडर

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिला फतेहाबाद की एवरेस्ट विजेता बेटी मनीषा पायल अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए अब हिमाचल की बफीर्ली पहाड़ी को बतौर नेशनल टीम लीडर फतेह करेगी। मिशन पर रवाना होने से पूर्व पर्वतारोही मनीषा जिन्दगी संस्था के पदाधिकारियों के साथ जिला उपायुक्त प्रदीप कुमार के लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में पहुंची। यहां उपायुक्त ने मनीषा को जिन्दगी संस्था का ध्वज भेंट कर मिशन फतेह करने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने मनीषा को जिला फतेहाबाद की बेटियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत करार देते हुएए उम्मीद जताई कि मनीषा की तरह अन्य बेटियां भी दुनिया में अपनी प्रतिभा का झंडा फहरा क्षेत्र का सम्मान बढ़ाने की तरफ अग्रसर होंगी। गांव बनावली निवासी महेन्द्र पायल की पुत्री मनीषा ने बताया कि वह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट फतेह कर चुकी है। इसके बाद भी पर्वतारोहण क्षेत्र में वह समय-समय पर हर तरह के मुश्किल मिशन को अपने हौंसले की उड़ान से पूरा करने को कोई अवसर नहीं छोड़ती। उसने बताया कि पहली बार वह हिमाचल के मनाली स्थित पीर पंजाल में चलने वाले माउंट फ्रेंडशिप पीक अभियान में नेशनल टीम का नेतृत्व करेगी। यह अभियान 1 मई से शुरू होकर 7 मई तक पूरा होगा। उसने बताया कि एडवेंचर वैली एजेंसी के तहत चलने वाले इस मिशन में यूपी, उड़ीसा, दिल्ली, मुम्बई, सिक्किम आदि राज्यों के अलावा हरियाणा के हिसार से 4 सदस्यों सहित कुल 20 सदस्यीय टीम एक सप्ताह में करीब साढ़े 5 हजार मीटर की बफीर्ली पहाड़ी के शिखर पर पहुंचेगी, जिसमें टीम को प्रबंधक

रोशन लाल व राजा का मार्गदर्शन भी मिलेगा। मनीषा ने कहा कि सामाजिक संस्था जिन्दगी अध्यक्ष हरदीप सिंह ने उसे हमेशा प्रोत्साहित किया हैए इसलिए इस बार वह इस मिशन के शिखर पर संस्था का ध्वज भी अपने साथ लेकर जाएगी। जिन्दगी संस्था अध्यक्ष हरदीप सिंह, जिला सेवा निवृत पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन प्रधान रणधीर डबास, समजसेवी बलजीत सिंह माजरा, मुकेश भदरेचा, गुलशन रहेजा, हरजिन्द्र सिंह, भारत रावत, अनिल चौधरी, सिमरनजीत गिल, अमित मेहता, विकास गावड़ी आदि ने मनीषा को प्रोत्साहित करने पर जिला उपायुक्त का आभार प्रकट किया।

सुशांत लोक-2 के लायंस ब्लड सेंटर में लापरवाही पर सेंटर सील

-लायंस ब्लड सेंटर पर स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने मारा छापा
-सेक्टर 56 पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज

गुरुग्राम, (हि.स.)। अवैध कार्यों में संलिप्त रक्त केंद्रों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के अंतर्गत हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने शनिवार को गुरुग्राम के सेक्टर-56 में सुशांत लोक-2 स्थित लायंस ब्लड सेंटर पर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। विभिन्न अनियमितताओं को देखते हुए ब्लड सेंटर को तुरंत सील कर दिया गया। साथ ही सेक्टर 56 स्थित पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज करवा दी गई है। इस छापेमारी के दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों में एसडीसीओ गुरुग्राम परविंदर मलिक और डीसीओ अमनदीप चौहान ने काफी सनसनीखेज खुलासे किए हैं। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बताया कि नियमों के अनुसार किसी भी ब्लड सेंटर पर मेडिकल अधिकारी की पूर्णकालिक तैनाती होनी चाहिए। उसकी मौजूदगी में ही डोनर सिलेक्शन और रक्त दाता के शरीर से रक्त लिया जाना चाहिए। यहां पर दशार्या गया मेडिकल ऑफिसर डॉ. विपिन कथूरिया पालम विहार, गुरुग्राम स्थित विजया डायग्नोस्टिक सेंटर पर पैथोलॉजिस्ट के रूप में कार्य करता हुआ पाया गया। रक्तदाता रजिस्टर स्क्रीनिंग फॉर्म्स पर फर्जी हस्ताक्षर होना या थोड़े समय के लिए ब्लड सेंटर पर आकर एक साथ औपचारिकता पूर्ण करने के लिए भी कार्य पाया गया। प्राप्त दस्तावेजों में मेडिकल ऑफिसर का वेतन 60 हजार रुपये प्रतिमाह दिखाया गया, जबकि बैंक खाता स्टेटमेंट की जांच पर 25 हजार रुपये प्रति माह वेतन के तौर पर भुगतान किया गया है।

बिना अनुमति के गत दो वर्षो में लगाए कैंप – जांच के दौरान पता चला है कि उपरोक्त ब्लड सेंटर द्वारा पिछले 2 वर्षों में 176 आउटडोर ब्लड डोनेशन कैंप बिना अनुमति के आयोजित किए गए। जिनमें 6015 रक्त यूनिट्स एकत्रित किए गए, जिनकी कोई सूचना विभाग को नहीं दी गई। ना ही इन कैंपों में तकनीकी स्टाफ कानूनी योग्यता रखता था।

गुरुग्राम से लिया खून दूसरे शहरों बेचते थे – अनिल विज ने कहा कि हरियाणा के निवासियों का रक्त, रक्त शिविरों के माध्यम से दान में लेकर उत्तर प्रदेश के दूरदराज शहरों जैसे कि झांसी, कानपुर और पंजाब के शहरों में बेचना भी पाया गया है, जिसके एवज में 500 रुपये से लेकर 2000 तक रक्त और रक्त कॉम्पोनेंट्स के वसूले गए हैं। ऐसे ही दिल्ली स्थित एक रक्त भंडारण केंद्र जिसको उपरोक्त दोषी ब्लड सेंटर देने के लिए ऑथराइज नहीं था, वहां पिछले 2 हफ्ते के दौरान 164 ब्लड कॉम्पोनेंट्स सप्लाई किए गए। इस सारे खेल के पीछे इस ब्लड सेंटर की कार्यकारी निदेशक स्वाति पत्नी दृश्यटम का हाथ है। सेक्टर-56 पुलिस थाना, गुरुग्राम में एफआईआर दर्ज करवा दी गई है।

शिक्षा विभाग ने गांव कुम्हारिया, खाई व जमालपुर शेखां के केजीबीवी को अपग्रेड

-रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा के प्रयास लाए रंग, खाई के केजीबीवी को 12वीं तक किया अपग्रेड

फतेहाबाद, (हि.स.)। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा जिले के तीन कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को 12वीं तक अपग्रेड करने की मंजूरी प्रदान की है। जिन विद्यार्थियों को अपग्रेड किया गया है, उनमें गांव खाई, कुम्हारिया व जमालपुर शेखां के विद्यालय शामिल है। रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा द्वारा क्षेत्र में शिक्षा के विकास को लेकर किए गए प्रयास रंग लाए है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव खाई के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय को 12वीं तक अपग्रेड करने की मंजूरी प्रदान की है। इन विद्यालय में छात्राओं को शिक्षा के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी, जिसके चलते छात्रों और परिजनों दोनों में ही खुशी का आलम है। खाई गांववासियों ने भी विधायक लक्ष्मण नापा का धन्यवाद किया है।

उल्लेखनीय है कि रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव खाई के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पहले केवल आठवीं तक शिक्षा प्रदान की जाती थी, जिसके चलते 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के लिए खाई गांव की बालिकाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इसमें कुछ ऐसी बालिकाएं भी थी जो सीनियर सैकेंडरी स्कूल न होने के चलते शिक्षा से वंचित रह रही थी और अपनी पढ़ाई को आधे में ही छोड़ कर घर बैठ गई थी। जैसे ही मामला रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा के संज्ञान में आया, उन्होंने इस समस्या को तुरंत हरियाणा सरकार के समक्ष रखा और इस समस्या का समाधान करवाया। अब रतिया के गांव खाई में केजीबीवी में बालिकाओं को 12वीं तक की शिक्षा प्रदान की जाएगी। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं को शिक्षा के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

विधायक बोले, दो दिन में खुल जाएगा कादरपुर ढाणियों का रास्ता

गुरुग्राम, (हि.स.)। कादरपुर ढाणी में जाने के लिए सीआरपीएफ केंद्र कादरपुर के पास से पुलिस द्वारा बंद किए गए रास्ते को लेकर ग्रामीणों द्वारा दिए गए धरने को लेकर भले ही पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज की गई हो, लेकिन ग्रामीण अभी भी रास्ते खुलवाने को लेकर अडिग हैं। शनिवार को कादरपुर गांव में समाजसेवा जीत सिंह दायमा के निवास पर सोहना के विधायक संजय सिंह पहुंचे और ग्रामीणों की समस्या सुनी। विधायक संजय सिंह ने ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद आश्वासन दिया कि अगले दो दिन में यह रास्ता खुल जाएगा और आराम से सभी आ-जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। बता दें कि करीब तीन महीने से कादरपुर सीआरपीएफ कैंप के साथ से कादरपुर ढाणियों की ओर जाने वाले रास्ते को पुलिस ने बंद कर दिया था। यह रास्ते आगे पुलिस प्रशिक्षण केंद्र भोंडसी तक जाता है। पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देकर इस रास्ते को बंद किया था। इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। विशेषकर स्कूल बच्चे अधिक परेशान हैं। बीच में ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर वहां से पैदल जाने की ही अनुमति पुलिस द्वारा दी गई। ग्रामीण इस रास्ते को पैदल के साथ वाहनों के लिए भी खुलवाने पर अड़े रहे। ग्रामीणों ने इस रास्ते को खुलवाने के लिए रास्ते पर बैठकर धरना भी दिया। इस धरने को लेकर सेक्टर-65 थाना पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ नामजद व कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। ग्रामीणों ने विधायक से इस एफआईआर को रद्द कराने की भी मांग की।

नवोदय स्कूल में कक्षा छठी में दाखिले को 6665 परीक्षार्थियों में से 4842 ने दी परीक्षा

फतेहाबाद, (हि.स.)। जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी में सत्र 2022-23 के लिए कक्षा छठी में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का आयोजन शनिवार को जिला फतेहाबाद में खंड स्तर पर बनाए गए विभिन्न 28 परीक्षा केंन्द्रों पर किया गया। जेएनवीएसटी परीक्षा को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी दयानंद सिहाग व जेएनवी प्राचार्य राजीव कुमार सक्सेना ने जिला में स्थित केन्द्रों का निरीक्षण किया। प्राचार्य राजीव कुमार सक्सेना ने परीक्षा से जुड़े सभी लोगों को लगन व ईमानदारी से परीक्षा संपन कराने के लिए कहा। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय द्वारा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों को केन्द्र स्तरीय पर्यवेक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था।

जेएनवी चयन परीक्षा के लिए कुल 6665 विद्यार्थी पंजीकृत हुए थे, जिसमें से 4842 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया जबकि 1823 अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित रहे। ब्लॉक भट्टू कलां में कुल 831 विद्यार्थियों में से 636 विद्यार्थी, ब्लॉक भूना में कुल 1122 विद्यार्थियों में से 754 विद्यार्थी, ब्लॉक फतेहाबाद में कुल 1732 विद्यार्थियों में से 1161 विद्यार्थी, ब्लॉक जाखल में कुल 499 विद्यार्थियों में से 427 विद्यार्थी, ब्लॉक रतिया में कुल 1294 विद्यार्थियों में से 945 विद्यार्थी तथा ब्लॉक टोहाना में कुल 1187 विद्यार्थियों में से 919 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नजफगढ़ में 4 अवैध शराब विक्रेताओं पर की गई कार्यवाही

धीरज गुप्ता। ऑपरेशन वर्चस्व के अंर्तगत नशे और जुर्म को रोकने के लिए डीसीपी शंकर चौधरी द्वारा गठित टीमों का अवैध शराब विक्रेताओ पर लगातार छापेमारी जारी हैं। जिसके तहत उळ लक्ष्मण और W/CT मोनिका को खेरा रोड नजफगढ़ पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान खबर मिली कि खेरा रोड पेट्रोल पंप के पास प्लॉट में अवैध शराब बेची जा रही हैं। सूचना मिलते ही दोनों के द्वारा सम्बंधित स्थान पर छापा मारकर दो आरोपियों को दबोच लिया गया जिनकी पहचान मनोज कुमार और जतिन के रूप में हुईं। उनसे 191 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। इसके अलावा CT सुरेश और W/CT तुलसी ने दीपक विहार नजफगढ़ में पेट्रोलिंग के दौरान एक में छापा मारकर अवैध शराब विक्रेता कमलेश से 45 अवैध शराब की बोतल को जब्त किया गया। अवैध शराब की तीसरी छापेमारी CT ललित द्वारा पैट्रोलिंग के दौरान 25 फूटा रोड जय विहार नजफगढ़ में की गई जिसमें आरोपी महेंद्र से 250 क्वार्टर अवैध शराब को बरामद किए गए।

खासरवी गांव में ढब्बावाली माताजी के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 2 मई से 6 मई चलेगा महोत्सव

सांवलसिंह राजपूत। राजस्थान के सांचोर तहसील से मात्र 30 किलोमीटर दूर गांव खासरवी में ढब्बावाली माता का मंदिर है जो राजस्थान के पाकिस्तान बॉर्डर से 70 किलोमीटर दूर गुजरात से छटा हुआ जालोर जिले के सांचौर तहसील में खासरवी गांव है जहाँ हर महीने की चौदस पूनम को मेला लगता है। यहां माता की नए मंदिर की प्राण प्रतिस्था व मूर्ती स्थापना को लेकर पिछले दो महीनों से तैयारियाँ चल रही है इस कार्यक्रम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसून्धरा राजे सिंधिया सहित कई बड़े बड़े नेता, राजनेता व व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है। मंदिर के श्री श्री 1008 महंत भावनिगिरी जी महाराज के सानिध्य में 2 मई से 6 मई तक विभिन्न कार्यक्रम करके मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसिंह चारणीम ने बताया कि 2 मई से 7 मई तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरूवात सुबह 7 बजे कलश यात्रा से की जाएगी।

ऑपरेशन वर्चस्व के तहत द्वारका पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही

धीरज गुप्ता। डीसीपी शंकर चौधरी के नेतृत्व में ऑपरेशन 'वर्चस्व' के अन्तर्गत पुलिस ने अलग अलग वारदातो और अलग अलग थाना क्षेत्र से गैरकानूनी रूप से रह रहे 14 विदेशी मूल नाइजीरियन नागरिको, 4 अवैध शराब विक्रेताओ, 3 क्रिमिनलस,1 वसूलीदार गुर्गे को गिरफ्तार किया

क्रिमिनल्स पे शिकंजा – ऑपरेशन वर्चस्व के अंर्तगत गठित स्पेशल टीम OPS -1 को सूचना मिली की छीना झपटी, चोरी और लूटपाट की पिछली कई वारदातो में शामिल आरोपी सरवर अली उर्फ सज्जन और सुजीत उर्फ चीना चोरी का माल बेचने राजकीय वरिष्ठ शिक्षा माध्यमिक विद्यालय राजा पुरी बिंदापुर के पास आने वाले हैं। सूचना मिलते ही ACP विजय सिंह के नेतृत्त्व में इस्पेक्टर नवीन कुमार, रकननग राम, रकजलबीर सिंह, अरक उमेश कुमार, ASI महेश कुमार, HC राजकुमार HC संदीप कुमार, देव कुमार, CT राजकुमार CT कुलदीप सिंह की टीम ने जाल बिछाकर नजर रखना शुरू किया और जैसे ही दोनो आरोपी मोटर साइकिल से आए उन्हें तफ्तीश लगा के धर दबोचा। आरोपियों की पहचान सरवर अली उर्फ साजन और संजीत के रूप में हुई है। दोनों से 12 गोल्ड चैन , 3 जोड़ी कानो की बाली, कंगन, चांदी के सिक्के और चांदी के नेकलेस बरामद हुए, इसके अलावा 2 लैपटॉप, 10 मोबाइल और एक मोटर साइकिल बरामद हुई। इनके खिलाफ पहले भी चोरी और छीना झपटी के कई मामले दर्ज हैं। सरवर सिर्फ चौथी क्लास तक शिक्षित हैं 2015 में उसे पहली बार चोरी के मामले में पकड़ा गया था, जबकि संजीत उर्फ चीना अशिक्षित हैं उसे भी 2015 चोरी के मामले में हिरासत में लिया गया था। दोनों ही बुरी संगत में पड़ने के कारण चोरी और छीना झपटी की वारदातों को अंजाम देने लगे।

डाबड़ी और बिन्दापुर थाने के परस्पर सहयोग से तीसरी गिरफ्तारी कपिल उर्फ बाबा उर्फ विजेंदर की हुई है। यह कई वारदातों में शामिल रह चुका हैं। HC जितेंद्र को खुफिया जानकारी मिली जिसके आधार पर एसीपी हरिश कुकरेती जी और SHO इंस्पेक्टर धनंजय गुप्ता के नेतृत्व में रकविजेंदर, अरककैलाश चंद, HC ललित और उळ सुमित की टीम ने उपरोक्त आरोपी को मौके पर पकड़ लिया। उसके पास से एक चाकू बरामद किया गया। एक और अन्य मामले में एसीपी कुकरेती और SHO इंस्पेक्टर धनंजय गुप्ता के नेतृत्व में उपरोक्त टीम ने जबरन वसूली मामले में कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के सदस्य प्रमोद उर्फ कुणाल को हिरासत में लिया। आरोपी हाथरस यूपी का रहने वाला हैं। वह एक गरीब परिवार से संबंध रखता हैं तथा सिर्फ छट्ठी कक्षा तक पढ़ा लिखा हैं। आरोपी को पुराने मामले मे पहले भी तिहाड़ जेल भेजा जा चुका है जहां वो नंदू गैंग के सम्पर्क मे आया। आरोपी से एक पिस्तोल और 2 जिंदा कार्तुस बरामद किए गये। बहन की शादी के लिए रखे जेवरात हुए चोरी, 72घंटे में बरामद कर डीसीपी शंकर चौधरी ने पीड़ित से की फोन पर बात प्रेस कांफ्रेंस के बीच डीसीपी शंकर चौधरी ने बरामद किए जेवरात की खबर देने के लिए पीड़ित व्यक्ति को फोन करके स्वयं सूचित किया। और आश्वासन दिया की दिल्ली पुलिस सदैव आम जनता के साथ हैं, हर जुर्म का मुंह तोड़ देने के तैयार हैं, और साथ ही साथ क्रिमीनल चोर और झपटमारो को अपना संदेश पहुंचाया की यदि बाहर हमारी माताएं बहनें सुरक्षित नहीं तो ऐसे क्रिमिनलस की गिरेबान भी अब सुरक्षित नहीं।

रूस की संयुक्त राष्ट्र को चुनौती, महासचिव के दौरे के बीच कीव पर दागीं मिसाइलें

कीव, (हि.स.)। यूक्रेन पर हमले के दो महीने से अधिक पूरे होने के बावजूद रूस के तेवर कड़े हैं।रूस किसी वैश्विक संस्था व देश के दबाव में नहीं आ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ को चुनौती देते हुए रूसी सेनाओं ने यूक्रेन की राजधाी कीव पर उस समय मिसाइलें दागीं, जब संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस स्वयं कीव के दौरे पर थे। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस मॉस्को का दौरा कर यूक्रेन पहुंचे हैं। मॉस्को में गुटेरेस ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ भी विचार विमर्श किया था। गुटेरेस यूक्रेन पहुंचे और कीव का दौरा कर ही रहे थे, तभी रूसी सेनाओ की मिसाइलों ने कीव को दहला दिया। यह स्थिति तब है, जबकि पिछले कुछ दिनों से कीव पर रूसी सेनाओं का आक्रमण रुका हुआ था। अब अचानक कीव पर मिसाइल हमले को रूस द्वारा संयुक्त राष्ट्र को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। गुटेरस जब यूक्रेन में फंसे नागरिकों की मदद के लिए राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मिलने पहुंचे थे तभी कुछ दूरी पर एक मिसाइल गिरी। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रवक्ता सविआनो अब्रू ने कहा कि हमला संयुक्त राष्ट्र संघ के दल के बेहद करीब किया जाना चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि सभी लोग सुरक्षित हैं। गुटेरेस और जेलेंस्की ने इन हमलों की निंदा की है। गुटेरस ने यूक्रेन को असहनीय पीड़ा का केंद्र करार दिया है। उन्होंने रूसी सेना द्वारा बरती गई क्रूरता की निंदा की।

चीन ने खुद के क्षुद्रग्रह निगरानी और रक्षा तंत्र की रूपरेखा तैयार की, 2025 तक करेगा इससे जुड़े परीक्षण

-अंतरिक्ष की महाशक्ति बनने के लिए चीन ने शुरू किए प्रयास

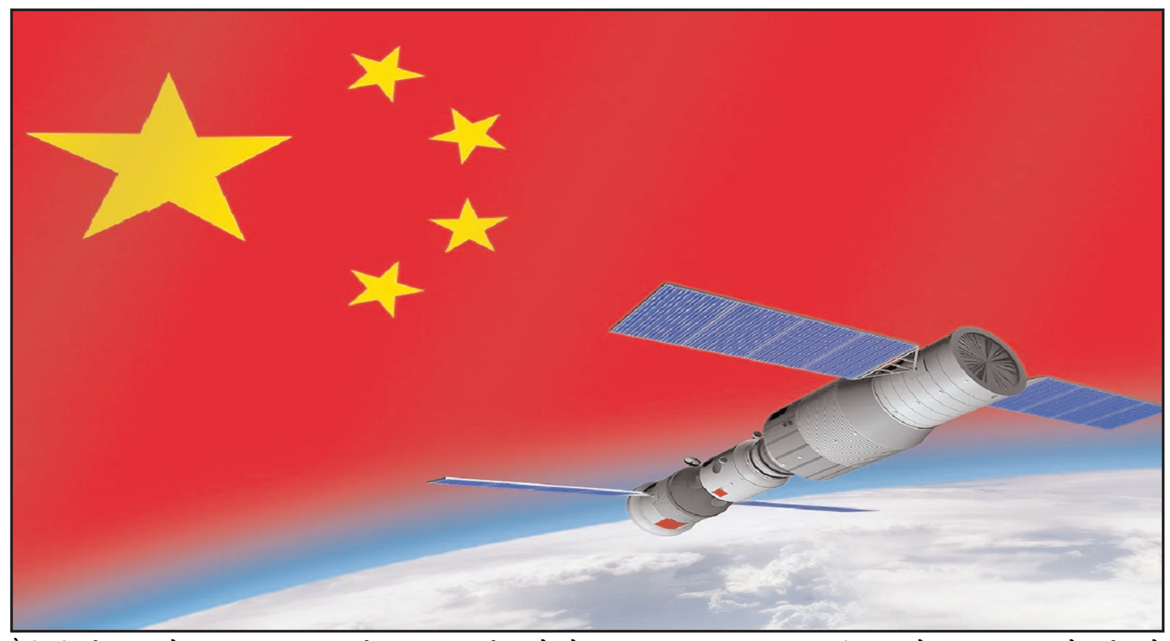

वाशिंगटन (ईएमएस)। लगता है चीन अंतरिक्ष की महाशक्ति बनने के लिए हर लह कोशिश कर रहा है जो अमेरिका कर चुका है। चीन का खुद का इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तैयार हो रहा है। रोवर मंगल ग्रह पर काम चल कर रहा है। हाल ही में चीनी वैज्ञानिकों ने बाह्यग्रहों के अध्ययन के लिए एक अभियान का प्रस्ताव भी दिया था। अब चीन ने खुद के क्षुद्रग्रह निगरानी और रक्षा तंत्र की रूपरेखा तैयार की है। चीनी मीडिया के अनुसार साल 2025 तक इस सिस्टम से संबंधित तकनीकी परीक्षण करने की योजना पर काम चल रहा है। चीन इस परियोजना में धरती और अंतरिक्ष दोनों ही जगहों पर निगरानी और चेतावनी तंत्र स्थापित करेगा जो क्षुद्रग्रहों का एक कैटेलॉग बनाएंगे और उन क्षुद्रग्रहों की पहचान कर उनपर निगरानी रखेंगे जो अंतरिक्ष में मानवीय गतिविधियों के लिए खतरा हैं या भविष्य में हो सकते हैं। इस तंत्र में यह तकनीक भी होगी जो खतरनाक श्रेणी में आ चुके इस तरह के पिंडों को खत्म करने भी सक्षम होगी। चाइना नेशनल स्पेस एडमिसन्ट्रेशन ऐसे सॉफ्टवेयर विकसित करेगा जो पृथ्वी से गुजरने वाले क्षुद्रग्रहों के टकरावों को सिम्यूलेट करेगा और उससे निपटने के लिए रक्षा प्रक्रियाओं के अभ्यास के लिए उसका प्रयोग किया जाएगा। चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेस के नेशन स्पेस साइंस सेंटर के प्रो ली मिंगताओ ने बताया कि फिलहाल पृथ्वी से संभावित विध्वसंक क्षुद्रग्रह टकरावों को टालने के लिए सबसे व्यवहारिक उपाय यही है कि किसी क्षुद्रग्रह से एक टकराव कर उसकी दिशा को बदल दिया जाए। इसके लिए चीन को एक कैरियर रॉकेट की जरूरत होगी जिसमें भारी मात्रा में बल लगाने वाला सामान हो जो क्षुद्रग्रह से इतने आवेग से टकराए कि उसकी दिशा ही बदल जाए। नासा भी इस तरह के उपाय पर काम कर रहा है जिससे वह क्षुद्रग्रह की दिशा बदल सके। इसके लिए उसने पिछले साल नवंबर में ही डबल एस्ट्रॉयड रीडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) मिशन की परीक्षण किया था। इस परीक्षण में स्पेस एक्स का फॉल्कन 9 रॉकेट कैलिफोर्निया के वैडनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से प्रक्षेपित हुआ था और उसने डिडिमस एस्ट्रॉयड सिस्टम को लक्ष्य बनाया है। डिडिमस एस्ट्रॉयड सिस्टम में डिडिमस और डिमोर्फोस नाम के दो क्षुद्रग्रह हैं। यह जोड़ा सूर्य की परिक्रिमा की गति की तुलना में काफी कम गति से एक दूसरा चक्कर लगा रहा है। इससे टकराव का मापन करने में वैज्ञानिकों को आसानी होगी। यह यान इस तंत्र से इस साल 26 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच में टकराएगा। सबसे हाल का जो पृथ्वी से टकराव हुआ है वह साल 2013 में हुआ है जब 18 मीटर चौड़ा 11 हजार टन की उल्का एक 460 किलोटन के विस्फोट से रूस के शेलियाबिन्स्क शहर से टकराया था। इसके झटके से एक हजार लोग घायल हो गए थे। यह हिरोशिमा शहर पर द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान गिराए गए परमाणु बम से 20 से 30 गुना ज्यादा शक्तिशाली था।

पेरू में चीन के स्वामित्व वाले तांबे की खदान पर स्थानीय समुदाय का कब्जा कायम

लीमा, (हि.स.)। पेरू के लास बंबास स्थित चीन स्वामित्व वाले एमएजी (1208एचके) तांबे की खदान पर 14 अप्रैल को स्थानीय दो समुदायों फ्यूराबाम्बा और हुआनकुइरे के कब्जे के बाद की गई पुलिस कार्रवाई के बावजूद एक स्थानीय समुदाय का कब्जा बरकरार है। सूत्रों के अनुसार स्थानीय समुदाय के कब्जे के बाद से खदान से तांबे का उत्पादन ठप है। पेरू दुनिया का दूसरे नंबर का तांबा उत्पादक है और चीनी स्वामित्व वाला लास बंबास इस लाल धातु की दुनिया के शीर्ष खदानों में से एक है, जो वैश्विक आपूर्ति का 2 फीसदी अकेले आपूर्ति करता है। यह खदान पेरू की अर्थव्यवस्था का आधार है जो देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद का एक फीसदी है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि प्रदर्शनकारी पत्थरों, मोलटोव जैसे अन्य हथियारों से लैस थे। इन लोगों ने सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया, जिसमें कई घायल हो गए थे। फ्यूराबाम्बा और हुआनकुइरे के स्वदेशी समुदायों के लोगों ने 14 अप्रैल को खदान पर कब्जा कर वहां अपने शिविर स्थापित कर लिए। इससे लास बंबास को एक सप्ताह बाद परिचालन स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

स्थानीय समुदाय के लोगों का आरोप है कि खदान ने उनके साथ अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं का पूरी तरह से पालन नहीं किया है। दोनों समुदायों के प्रतिनिधियों के अनुसार, गुरुवार को पुलिस बलों ने हुआनकुइरे को बेदखल करने की कोशिश की, लेकिन विफल रहे। जबकि फ्यूराबाम्बा को पहले सप्ताह में बेदखल कर दिया गया था, लेकिन खदान में फिर से प्रवेश करने की कोशिश की गई थी। फ्यूराबाम्बा समुदाय के अध्यक्ष एडिसन वर्गास ने कहा कि हम खदान के अंदर हैं और यहां पूरे खदान पर 100 फीसदी कब्जा करने जा रहे हैं।

गोलान हाइट्स में मिले बम को इजरायल से स्मृति बतौर ले जाना चाहता था अमेरिकी परिवार

-एयरपोर्ट पर हड़कंप मचा

तेल अवीव (ईएमएस)। इजरायल की गोलान पहाडियों में एक अमेरिकी परिवार के मिले बम ने एयर पोर्ट पर हड़कंप मचा दिया। दरअसल, इजरायल से अमेरिका जा रहे एक परिवार के बैग में बम मिलने से बेन गुरियन एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी परिवार इस बम को यादगार के तौर पर इजरायल से अपने देश लेकर जा रहा था। हालांकि, उन्हें यह अंदेशा नहीं था कि उनके बैग में रखी लोहे की वस्तु एक जिंदा बम है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे वीडियो में बेन गुरियन एयरपोर्ट पर घबराये यात्री इधर-उधर भागते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस भगदड़ में एक यात्री को चोट भी लगी है। जांच के बाद इजरायली पुलिस ने अमेरिकी परिवार को यात्रा करने की इजाजत दे दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह अमेरिकी परिवार इजरायल की यात्रा करने के लिए पहुंचा था। इस परिवार में शामिल एक बच्चे को गोलान हाइट्स का दौरा करते समय एक जिंदा बम मिला था। परिवार को यह नहीं पता था कि लोहे की बनी यह वस्तु एक जिंदा बम है। ऐसे में उन्होंने एक स्मारिका के तौर पर इस बम को अमेरिका लेकर जाने के लिए अपने लगेज में पैक कर लिया। बताया गया कि एयरपोर्ट पर चेक-इन के दौरान जब उन्होंने अपने सामान को सुरक्षा कर्मचारियों को दिखाया तो सबके होश उड़ गए। अधिकारियों ने तुरंत इलाके को खाली करने का आदेश दिया और अमेरिकी परिवार को अपने साथ लेकर चले गए। इसके बाद बम को निष्क्रिय करने के लिए बम डिस्पोजल स्कॉड को मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद एयरपोर्ट पर जारी चेतावनी को वापस ले लिया गया। इजरायली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि बेन गुरियन हवाई अड्डे पर मची भगदड़ में एक यात्री घायल हो गया। यह यात्री बैगेज के कन्वेयर बेल्ट से टकराकर गिर गया था। रिपोर्ट में बताया गया सुरक्षा अधिकारियों ने परिवार से पूछताछ के बाद फ्लाइट पर चढ़ने की अनुमति दे दी। इजरायल में आतंकी खतरे को देखते हुए हुए विमानों में सुरक्षा का काफी ध्यान रखा जाता है। गोलान हाइट्स को लेकर इजरायल और सीरिया के बीच 1967 और 1973 में दो बार युद्ध भी हो चुका है।

मस्क ने 500 से ज्यादा प्रजातियों के डीएनए से भरा 'टाइम कैप्सूल' अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचाया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने अब एक और कारनामा कर सबको चौंका दिया है वे अक्सर अंतरिक्ष और एलियंस को लेकर दिलचस्प बयान देते रहे हैं। लेकिन अब उनकी कंपनी स्पेस-एक्स ने मानव डीएनए को अंतरिक्ष में ले गया है। डीएनए को अंतरिक्ष में इसलिए भेजा गया है ताकि अगर इंसानियत खत्म होने की कगार पर पहुंचे तो इसके जरिए फिर से सभ्यता शुरू की जा सके, इसके अलावा भविष्य में स्पेस में सभ्यता शुरू हो सके। एलन मस्क की कंपनी स्पेस-एक्स का रॉकेट इस हफ्ते 500 से ज्यादा प्रजातियों के डीएनए से भरा एक 'टाइम कैप्सूल' लेकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचा है। क्रू-4 के मिशन 'बायोबैंक' में दो हजार से ज्यादा लोगों के सैंपल हैं। अंतरिक्ष में इन सैंपल को इसलिए भेजा गया है, ताकि यहां से इसे चांद पर भेजा जा सके जिससे एक ऑफ द वर्ल्ड यानी दुनिया से बाहर डीएनए सैंपल का रिजर्व शुरू किया जा सके। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक डीएनए को अंतरिक्ष में भेजने के पीछे लाइफशिप नाम की कंपनी का प्रयास है। वह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक जेनेटिक ब्लूप्रिंट बनाना चाहती है। लाइफशिप का कहना है कि आईएसएस पर उनका भेजा सैंपल सिर्फ एक नमूना है। कंपनी का बड़ा लक्ष्य 2023 तक चंद्रमा पर इंसानी डीएनए को भेजना है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर बताया है हमें नहीं पता कि इस बायोबैंक का क्या होगा। कंपनी ने कहा कि डीएनए टाइम कैप्सूल भविष्य के लिए बनाया गया है, हममें से कोई नहीं बचेगा और नहीं जान पाएंगे कि इसका हुआ क्या? हो सकता है कि भविष्य की किसी सभ्यता को यह मिले और हमारे ग्रह को फिर से बनाने में इसका इस्तेमाल हो। यह डीएनए इंसानों को फिर से बनाने में इस्तेमाल होगा। लाइफशिप की ओर से 129 डॉलर में चंद्रमा की सतह पर अपना डीएनए भेजने के लिए लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसके साथ ही अपना नाम मुफ्त में भेज सकते हैं। वहीं इंसानी राख को चांद पर भेजने के लिए यह 399 डॉलर ले रही है।

युद्ध में तहलका मचाने वाला यूक्रेनी पायलट 'घोस्ट ऑफ कीव' की मौत

-40 से अधिक रूसी विमानों को मार गिराने का दावा

कीव (ईएमएस)। जंग में रूस के सैनिकों के छक्के छुड़ाने वाले यूक्रेनी पायलट की पिछले महीने युद्ध के दौरान मौत हो गई थी। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस के 40 से अधिक विमानों को मार गिराने वाले इस पायलट की पिछले महीने युद्ध के दौरान मौत हो गई थी। यूक्रेनी वायु सेना के पायलट मेजर स्टीफन ताराबल्का को 'घोस्ट ऑफ कीव' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने युद्ध के दौरान अपने मिग-29 लड़ाकू विमान से रूस के कई विमानों को मार गिराया था। उनकी मौत 13 मार्च को रूस के एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल के हमले में हो गई थी। दावा किया जाता है कि आक्रमण के पहले दिन ही इस पायलट ने रूस के छह लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। जिसके बाद इस यूक्रेनी पायलट की पूरी दुनिया में चर्चा होने लगी थी। खुद यूक्रेनी सरकार ने घोस्ट ऑफ कीव का नाम देकर कई वीडियो भी जारी किए थे। हालांकि, यह भी दावा किया गया कि यूक्रेन अपने सैनिकों को प्रोत्साहित करने के लिए एक काल्पनिक किरदार घोस्ट ऑफ कीव का प्रचार कर रहा है। युद्ध की शुरूआत के दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसमें कथित तौर पर एक यूक्रेनी जेट को कई शहरों में आसमान से उड़ते हुए और डॉगफाइट्स में रूस के छह विमानों को मारते हुए दिखाया गया था। इनमें से एक वीडियो को तो 50 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। हालांकि रॉयटर्स फैक्ट चेक में पता चला कि शेयर किया जा रहा वीडियो फर्जी था। यह वीडियो 2008 के वीडियोगेम डिजिटल कॉम्बैट सिम्युलेटर के एक क्लिप था।

अब, सूत्रों ने द टाइम्स को उनकी पहचान और उसकी मृत्यु की पुष्टि की है। पायलट के हेलमेट और चश्मे के अब लंदन में एक नीलामी में बिक्री के लिए जाने की उम्मीद है। खुद यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से घोस्ट ऑफ कीव के कौशल और बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक वीडियो ट्वीट किया था। उसकी शुरूआती सफलता के बाद यूक्रेनी सरकार ने कहा था कि लोग उसे घोस्ट ऑफ कीव कहते हैं। यह यूक्रेनी वायु सेना का इक्का हमारी राजधानी और देश के आसमान की सुरक्षा करता है। पायलट को मरणोपरांत युद्ध में बहादुरी के लिए यूक्रेन के शीर्ष पुरस्कार, ऑर्डर ऑफ द गोल्डन स्टार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यूक्रेन के हीरो का खिताब दिया गया है। उनकी मौत से दो दिन पहले यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने कॉकपिट में बैठे इस दिग्गज फाइटर की एक फोटो शेयर की थी। यूक्रेन के ताराबल्का का जन्म यूक्रेन के पश्चिम में कोरोलिव्का गांव में एक मजदूर वर्ग के परिवार में हुआ था। उन्होंने वायु सेना के खार्किव राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में पढ़ाई की थी। स्थानीय सोशल मीडिया अकाउंट्स ने दावा किया है कि इस पायलट ने रूस के 40 से अधिक विमानों को गिराया था।

इथियोपिया में 20 मुस्लिमों की हत्या के आरोप में 370 से ज्यादा लोग गिरफ्तार

अदीस अबाबा, (हि.स.)। इथियोपिया के उत्तरी राज्य अमहारा में अंतिम संस्कार समारोह के दौरान कम से कम 20 मुसलमानों की हत्या के आरोप में 373 संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह हमला मंगलवार को गोंदर शहर में उच्च पदस्थ अधिकारी के अंतिम संस्कार के दौरान हुआ। यह घटना कथित तौर पर एक मस्जिद और एक चर्च के बीच विवादित कब्रिस्तान को लेकर हुए संघर्ष के कारण हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इथियोपिया के अधिकारी उन सुरक्षा अधिकारियों को भी जिम्मेदार ठहराएंगे, जो अंतिम संस्कार समारोह की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहे। उल्लेखनीय है कि इथियोपिया के अमहारा राज्य के 43 प्रतिशत निवासी ईसाई और 30 प्रतिशत मुसलमान हैं।

यूक्रेन का दावा- रुस्का लोजावा गांव से रूस को खदेड़ा, पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया

खारकीव, यूक्रेन (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश पर रूस की बढ़ती आक्रामकता के बाद भी यूक्रेन मोर्चे पर डटा है। एक महीने से अधिक समय तक रूस के कब्जे में रहे रुस्का लोजावा गांव से सैकड़ों लोगों को निकालकर नजदीकी खारकीव लाया गया है। खारकीव के क्षेत्रीय गवर्नर के अनुसार, भीषण लड़ाई के बाद गांव की लगभग आधी आबादी बसों, कारों या पैदल ही भाग निकली। लड़ाई में रूसी सैनिकों को खदेड़ दिया गया और यूक्रेनी सेना ने गांव को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लिया है। सेना द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में सैनिकों को गांव के केंद्र में सरकारी इमारत पर यूक्रेन का ध्वज लहराते हुए देखा गया। हालांकि, बाहरी इलाकों में लड़ाई अभी चल रही है। इस गांव से महज 20 किलोमीटर से कम दूरी पर स्थित खारकीव पहुंचने पर ग्रामीणों ने बताया कि वे बेहद खराब परिस्थितियों में बेसमेंट में रहे और उनके पास पर्याप्त पानी, भोजन और बिजली भी नहीं थी। रूस-यूक्रेन युद्ध में अपने नाम से तहलका मचाने वाला यूक्रेनी पायलट 'घोस्ट ऑफ कीव' मारा जा चुका है। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूस के 40 से अधिक विमानों को मार गिराने वाले इस पायलट की पिछले महीने युद्ध के दौरान मौत हो गई थी। यूक्रेनी वायु सेना के पायलट मेजर स्टीफन ताराबल्का को 'घोस्ट ऑफ कीव' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने युद्ध के दौरान अपने मिग-29 लड़ाकू विमान से रूस के कई विमानों को मार गिराया था। उनकी मौत 13 मार्च को रूस के एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल के हमले में हो गई थी। दावा किया जाता है कि आक्रमण के पहले दिन ही इस पायलट ने रूस के छह लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। जिसके बाद इस यूक्रेनी पायलट की पूरी दुनिया में चर्चा होने लगी थी। खुद यूक्रेनी सरकार ने घोस्ट ऑफ कीव का नाम देकर कई वीडियो भी जारी किए थे। हालांकि, यह भी दावा किया गया कि यूक्रेन अपने सैनिकों को प्रोत्साहित करने के लिए एक काल्पनिक किरदार घोस्ट ऑफ कीव का प्रचार कर रहा है।

शंघाई में कोरोना कोहराम, पलायन कर रहगे लोग, बीजिंग में भी लोगों पर भी कड़ी नजर

शंघाई (ईएमएस)। चीन में एक बार फिर जीरो कोरोना पालिसी फेल हो गई है। शंघाई में कोरोना के केसों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। इसके चलते वहां हाहाकार मचा हुआ है, सरकार ने संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन का हथकंडा अपनाते हुए तालाबंदी कर दी है। अब आलम ये है कि कारोबार के बड़े केंद्र वाले इस शहर से लोग भागने के लिए मजबूर हो गए हैं। स्थानीय पैकर्स और मूवर्स के साथ ही कुछ कानूनी फर्मों का कहना है कि चीन के सबसे महत्वपूर्ण शहर शंघाई से लोग तेजी से भाग रहे हैं। जबकि कुछ लोगों ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से सलाह ली है कि शहर में लॉकडाउन लगा हुआ है, प्रतिबंध के बीच वह शहर छोड़ने के लिए क्या उपाय कर सकते हैं। ढाई करोड़ की आबादी वाले शहर में मल्टीनेशनल कंपनियों की भरमार है। यहां भारी संख्या में विदेशी रहते हैं, लेकिन कोविड के केस बढ़ने के बाद इन्होंने यहां से पलायन करना शुरू कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मूवर्स शंघाई एमएंडटी के संस्थापक माइकल फाउंग ने कहा कि आम तौर पर हमें हर महीने करीब 30-40 ऑर्डर मिलते थे। लेकिन इस महीने इस तरह के ऑर्डर में भारी इजाफा हुआ है। एजेंसी के मुताबिक शंघाई में कोविड के केस बढ़ने के बाद दुश्वारियां भी बढ़ गई हैं, आलम ये है कि यहां लोगों को खाना तक नसीब नहीं हो रहा है। 10 विदेशी नागरिकों ने बताया कि उन्हें खाने का इंतजाम करने में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, इतना ही नहीं, हर पल इस बात का भी डर बना रहता है कि घर को कोई सदस्य संक्रमित न हो जाए, अगर किसी को कोविड हो गया तो मरीज को आइसोलेशन में ले जाया जा रहा है, ऐसे में परिजनों को परिवार से दूर होने का डर भी सता रहा है। शंघाई में एक विदेशी नागरिक जेनिफर ली ने बताया कि लॉकडाउन से पहले मैं जो चाहती थी, वह करने के लिए आजाद थी। मुझे कभी किसी तरह की परेशानी महसूस नहीं हुई। लेकिन लॉकडाउन के बाद मैंने सत्ता की ताकत और एक डर को महसूस किया। मैं यहां पर पिछले 11 साल से रह रही थी, लेकिन अब यहां से निकलना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि कोविड के दौर में हमें ये अहसास हुआ कि इंसानों का जीवन और मेंटल हेल्थ इस सरकार के लिए कतई महत्वपूर्ण नहीं है। शहर छोड़ने वाले लोगों ने बताया कि एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए मुसीबत हो रही है। कैब के लिए 500 डॉलर का भुगतान करना पड़ रहा है। हालांकि आमतौर पर एयरपोर्ट तक जाने का किराया महज 30 डॉलर होता है। इसके अलावा कुछ फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। इसके चलते लोग एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। एजेंसी के मुताबिक एक विदेशी नागरिक ने बताया कि उन्होंने और उनकी 5 महीने की बेटी ने पुडोंग एयरपोर्ट के फर्श पर सोकर 7 दिन गुजारे। खाने का संकट खड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि मैंने जो भुगता है, वह खतरनाक है। मुझे बस अपने देश वापस जाने दो। मैं वहीं कुछ कर लूंगा। शंघाई में कड़े लॉकडाउन की वजह से यहां खाने से लेकर बुनियादी जरूरतों की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। अस्पतालों ने आपात स्थितियों में भी इलाज देने से हाथ खड़े कर दिए हैं, लिहाजा यहां रहने वाले लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले दिन चीन में 11,285 नए मामले दर्ज किए हैं। इसमें अधिकांश लोग संक्रमित शंघाई के हैं, जबकि इस मेट्रोपॉलिटन शहर में कोविड से पिछले 24 घंटे में 47 लोगों की मौत हुई है।

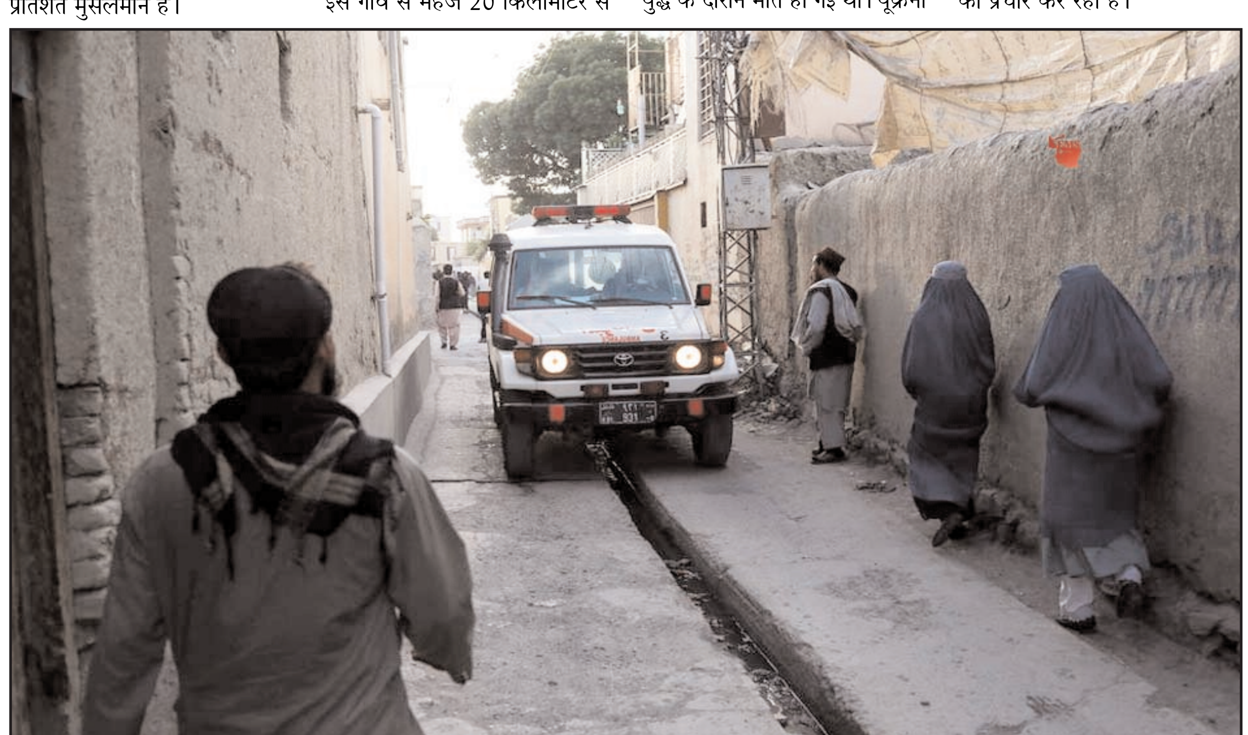

अफगानिस्तान के काबुल में खलीफा साहिब मस्जिद में विस्फोट स्थल के पास से घायलों का लेकर जाती एम्बुलेंस। (फोटो-ईएमएस)

बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव के बीच सपाट बंद हुआ बाजार

- सेंसेक्स 460.19 अंक टूटकर 57,060.87 पर बंद
- निफ्टी 142.50 अंक टूटकर 17,102.55 पर बंद

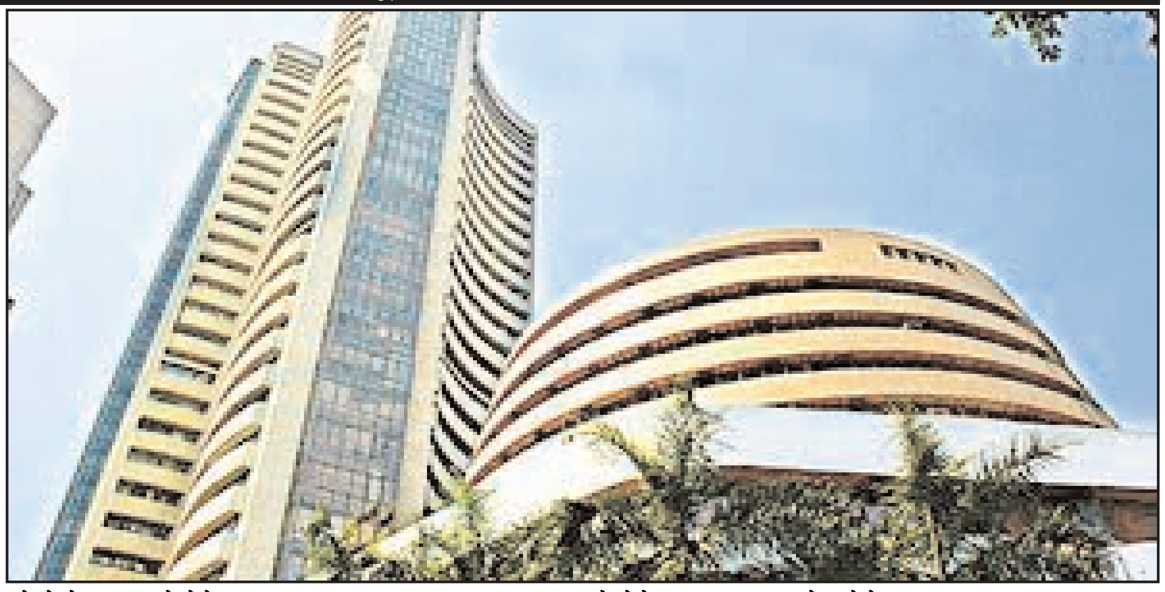

मुंबई (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध की अनिश्चितता और आगामी नीति में यूएस फेड द्वारा आक्रामक ब्याज दरों में वृद्धि से पहले अस्थिर वैश्विक बाजारों के बीच बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार भारी उतार-चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पूरे सप्ताह सोमवार से लेकर शुक्रवार तक उतार-चढ़ाव भरा कारोबार दिखाई दिया। पिछले सप्ताह पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 785 अंक गिरकर 56,412.14 पर खुला और 617.26 अंक की गिरावट के साथ 56,579.89 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 243.35 अंक गिरकर 16,928.60 पर खुला और 218 अंक की गिरावट के साथ 16,953.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 657.67 अंक बढ़कर 57,237.56 पर खुला और 776.72 अंक की बढ़त के साथ 57,356.61 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 204.35 अंक बढ़कर 17,158.30 पर खुला और 246.85 अंक की बढ़त के साथ 17,200.80 पर बंद हुआ। कमजोर वैश्विक संकेतों से बुधवार को सेंसेक्स 495.77 अंक गिरकर 56,860.84 पर खुला और 537.22 अंक का गोता लगाकार 56,819.39 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 144.15 अंक टूटकर 17,056.65 पर खुला और 162.40 अंक टूटकर 17,038.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 477.05 अंक बढ़कर 57,296.44 पर खुला और 701.67 अंक उछलकर 57,521.06 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 151.1 अंक उछलकर 17,189.50 पर खुला और 206.65 अंक चढ़कर 17,245.05 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 296.45 अंक बढ़कर 57,817.51 पर खुला और 460.19 अंक टूटकर 57,060.87 पर बंद हुआ। जबकि एनएसई निफ्टी 99.3 अंक उछलकर 17,344.35 पर खुला और 142.50 अंक टूटकर 17,102.55 अंक पर बंद हुआ।

एलन मस्क ट्विटर में कर्मचारियों की छंटनी कर सकते

वाशिंगटन (ईएमएस)। दिग्गज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर में छंटनी हो सकती है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ट्विटर को खरीदने की पेशकश की थी जिसे बोर्ड ने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद से ही कंपनी में बदलाव के बारे में कई तरह के कयास लग रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने ट्विटर के मुनाफे को सुधारने के लिए बैंकों के साथ विचार विमर्श किया है। इसमें कंपनी में छंटनी के बारे में भी चर्चा हुई। उधर रिपोर्ट के अनुसार मस्क ने ट्विटर के लिए फंड जुटाने वाली एक मीटिंग के दौरान नौकरियों में कटौती का आइडिया दिया था। मस्क चाहते हैं कि आने वाले दिनों में ट्विटर को फेसबुक की तरह पैसा कमाने वाली कंपनी बनाया जा सके। इसके लिए वह लगातार मंथन कर रहे हैं। ट्विटर और इसके सीईओ पराग अग्रवाल ने इन रिपोर्ट्स पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अग्रवाल ने हाल में कर्मचारियों से कहा था कि मस्क के साथ डील पूरी होने में छह महीने का समय लगेगा और इस दौरान किसी को भी नौकरी से नहीं निकाला जाएगा। हालांकि रिपोर्ट्स के मुताबिक मस्क कंपनी के पॉलिसी डिपार्टमेंट में छंटनी कर सकते हैं। मस्क ने हाल में ट्विटर की पॉलिसी हेड विजया गाड्डे की आलोचना की थी। इस बीच अग्रवाल ने कहा कि मस्क को कंपनी को खरीदने की खबरों के बीच वह और उनकी टीम ट्विटर में बेहतर बदलाव के लिए काम करते रहने वाले हैं। उन्होंने गुरुवार को ट्वीट में कहा, मैंने ट्विटर को बेहतर बनाने लिए यह काम अपने हाथ में लिया है। मुझे अपने लोगों पर गर्व है, जो हंगामे के बीच लगातार अपना काम कर रहे हैं।

भारत ने ओएनडीसी का पायलट चरण शुरू किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने पांच शहरों में डिजिटल कॉमर्स के लिए खुले नेटवर्क (ओएनडीसी) का पायलट चरण शुरू किया। ओएनडीसी एक यूपीआई-प्रकार का प्रोटोकॉल है और इस पूरी कवायद का मकसद तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र को दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना, छोटे खुदरा विक्रेताओं की मदद करना और दिग्गज ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के वर्चस्व को कम करना है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट में कहा कि यूपीआई के बाद, कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक और आमूलचूल बदलाव के विचार ओएनडीसी को आज चुनिंदा उपभोक्ताओं, विक्रेताओं और लॉजिस्टिक प्रदाताओं के लिए शुरू किया गया। विकल्प, सुविधा और पारदर्शिता की दुनिया के लिए तैयार हो जाइए। पायलट चरण में पांच शहरों दिल्ली एनसीआर, बेंगलुरु, भोपाल, शिलांग और कोयंबटूर में 150 खुदरा विक्रेताओं को जोड़ने का लक्ष्य है। इस पहल का उद्देश्य दो बड़ी बहुराष्ट्रीय ई-कॉमर्स कंपनियों के प्रभुत्व पर अंकुश लगाना है। ये कंपनियां देश के आधे से अधिक ई-कॉमर्स व्यापार को नियंत्रित करती हैं, बाजार तक पहुंच को सीमित करती हैं, कुछ विक्रेताओं को तरजीह देती हैं और आपूर्तिकताओं के मार्जिन को कम करती हैं।

इरडा ने बीएफएसआई में बीमा कंपनियों की निवेश सीमा 30 प्रतिशत की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बैंक, वित्तीय एवं बीमा क्षेत्र (बीएफएसआई) में बीमा कंपनियों के निवेश सीमा को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया। आईआरडीएआई ने एक परिपत्र में कहा कि बीमा कंपनियों को अपने कोष से बेहतर रिटर्न पाने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करने के मकसद से निवेश सीमा बढ़ाई जा रही है। इस परिपत्र के मुताबिक प्राधिकरण सभी बीमा कंपनियों को निवेश संपत्ति के 30 प्रतिशत तक हिस्से को वित्तीय और बीमा क्षेत्र में निवेश करने की अनुमति देता है। इस्के साथ ही परिसंपत्तियों के निवेश की सीमा को संशोधित कर 30 प्रतिशत तक कर दिया गया है। आईआरडीएआई ने हाल के समय में कई अच्छे कदम उठाए हैं। निवेश परिसंपत्तियों की सीमा में वृद्धि एक अच्छा कदम है क्योंकि इससे बीमा कंपनियों को अपनी निवेश रणनीति को अनुकूलित करने के लिए अधिक जगह मिलेगी। सिक्योर नाऊ के एक अधिकारी ने कहा कि नियामक के इस फैसले से बीमा कंपनियों को विभिन्न परिसंपत्तियों में निवेश करने और लंबी अवधि में उनके रिटर्न में सुधार करने की सुविधा मिलती है। उन्होंने कहा निवेश सीमा पर 30 प्रतिशत का प्रतिबंध अपने-आप में अधिक नहीं है लिहाजा बीमाकर्ता की समग्र सुरक्षा पर भी कोई खतरा नहीं होता है।

इस वर्ष उड़ान भरने वालों की संख्या 10 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है, कि भारतीय विमानन विकास के चरण में प्रवेश कर इस वर्ष उड़ान भरने वालों की संख्या 10 करोड़ तक पहुंच जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह समय विमानन क्षेत्र में भागीदारी के लिए उपयुक्त है। सिंधिया ने कहा कि आने वाले वर्षों में कोई अड़चन न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डों पर क्षमता बढ़ाने का काम जारी है। कोरोना के कारण दो साल तक बाधित रहने के बाद भारत से आने और जाने वाली अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 27 मार्च से शत-प्रतिशत क्षमता के साथ फिर से शुरू कर दी गईं हैं। मंत्री ने कहा, "1.3 करोड़ की आबादी वाले देश में आपके पास केवल 1.44 करोड़ यात्री हैं। इसका मतलब है कि पहुंच अभी भी केवल आठ प्रतिशत है। आने वाले वर्षों में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। भारत के वाणिज्य दूतावास में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिंधिया ने कहा, "मुझे लगता है कि नागर विमानन क्षेत्र में व्यापक स्तर पर भागीदारी के लिए समय आ गया है। सभी अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस भारत में अवसर और क्षमता को महसूस कर सकती हैं। भारत अमेरिका संबंधों के बारे में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच खासकर पिछले सात-आठ साल में संबंध काफी प्रगाढ़ हुए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापक और रणनीतिक संबंध हैं।

एसबीआई कार्ड का मुनाफा बढ़कर 581 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रेडिट कार्ड कंपनी एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआई कार्ड) का मुनाफ मार्च में समाप्त तिमाही में तिगुने से भी अधिक होकर 580.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई कार्ड्स ने शेयर बाजारों को यह सूचना देते हुए कहा कि पिछले वर्ष की समान तिमाही में उसे 175.42 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। जनवरी से मार्च के बीच कंपनी की कुल आय बढ़कर 3,016.10 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,468.14 करोड़ रुपए थी। एसबीआई कार्ड्स की ब्याज से प्राप्त आय भी पिछले साल के 1,082.42 करोड़ रुपए से बढ़कर समीक्षाधीन तिमाही में 1,266.10 करोड़ रुपए हो गई। शुल्क और कमीशन से प्राप्त आय भी 1,426.81 करोड़ रुपए हो गई जो पिछले वर्ष समान अवधि में 1,113.81 करोड़ रुपए थी। समूचे वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान एसबीआई कार्ड्स का मुनाफा 64 फीसदी बढ़कर 1,616.14 करोड़ रुपए हो गया जबकि वित्त वर्ष 2020-21 में यह 984.52 करोड़ रुपए था। इस वित्त वर्ष में उसकी कुल आय बढ़कर 11,301.52 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले 9,713.58 करोड़ रुपए थी। एसबीआई कार्ड ने कहा कि 31 मार्च 2022 तक कंपनी की सकल गैर-निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) 2.22 फीसदी और शुद्ध एनपीए 0.78 फीसदी रही है। पिछले वर्ष यह क्रमशः 4.99 फीसदी और 1.15 फीसदी थी।

आईनॉक्स ग्रीन ने प्रस्तावित आईपीओ वापस लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईनॉक्स विंड की इकाई ग्रीन एनर्जी सर्विसेज (आईजीईएसएल) ने अपने 740 करोड़ रुपए के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजानिक निर्गम (आईपीओ) को वापस ले लिया है। कंपनी की अपने प्रस्तावित आईपीओ के जरिये 370 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करने की योजना बनाई थी। इसके अलावा इनॉक्स विंड की तरफ से 370 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव भी शामिल था। कंपनी ने अपने प्रस्तावित आईपीओ के लिए सात फरवरी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष मसूदा दस्तावेज जमा किए थे।

सेबी ने अल्फा कमोडिटी का पंजीकरण रद्द किया

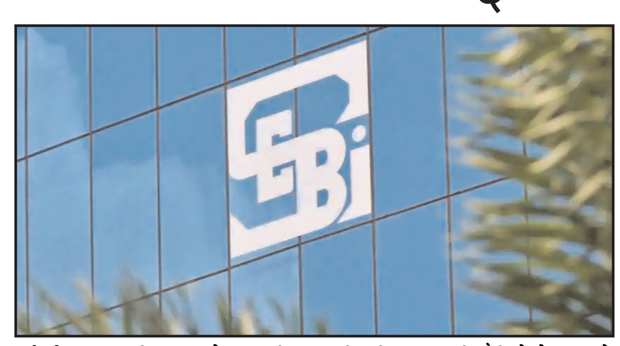

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने ग्राहकों को नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) पर गैर-कानूनी तरीके से अनुबंधों में व्यापार करने की सुविधा देने के आरोप में अल्फा कमोडिटी का पंजीकरण रद्द कर दिया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि इस तरह की सुविधा देकर अल्फा कमोडिटी ने अपने ग्राहकों को ऐसे उत्पाद या श्रेणी के व्यापार में शामिल किया है जिसके लिए नियामक की अनुमति नहीं ली गई थी। बाजार नियामक ने कहा कि यह कार्य अल्फा कमोडिटी की एक ईमानदार और मेहनती पंजीकृत प्रतिभूति बाजार बिचैलिये के रूप में कार्य करने की क्षमता पर संदेह पैदा करता है।

फुल चार्ज में 418 किमी दौड़ी जीएम की इलेक्ट्रिक वैन

-स्टीफन मार्लिन का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। कुछ समय पहले जीएम ब्राइटड्राप झेवो 600 इलेक्ट्रिक वैन के ड्राइवर स्टीफन मार्लिन ने अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज कराया है। इन्होंने इसे एक बार चार्ज कर 260 मील यानी कि 418 किमी तक चलाया है जो किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इसी के चलते गिनीज वर्ल्ड रिकॉड्र्स में इनका नाम दर्ज हुआ है। इवर ने अपनी जीएम इलेक्ट्रिक वैन को एक बार चार्ज कर 260 मील चलाया। यह 418.4 किमी होता है। एक बार के चार्ज में किसी भी इलेक्ट्रिक वैन से तय की गई यह सबसे लंबी दूरी है। इस बात की जानकारी जनरल मोटर्स द्वारा दी गई। इन्होंने ही ब्राइट-ड्राप झेवो को बनाया है। मार्लिन ने अपनी झेवो 600 वैन को न्यूयॉर्क शहर से वाशिंगटन डीसी तक चलाया। 20 अप्रैल, 2022 को यह करीब 418 किमी की यात्रा थी। ब्राइटड्राप झेवो की स्पोक्सपर्सन जेसिका केर ने कहा कि मार्लिन 418 किमी की दूरी तय करने वाले पहले व्यक्ति थे। मार्लिन ने जब यह उपलब्धि हासिल की तो वह लॉजिस्टिक कंपनी फेडईक्स के तहत इलेक्ट्रिक व्हीकल ड्राइव कर रहे थे।

ब्राइटड्राप झेवो 600 बेहतरीन फीचर्स के साथ एक फुल इलेक्ट्रिक जीरो टेलपाइप एमिशन डिलीवरी वैन है। ड्राइवर फेडइएक्स के तहत पफुल सर्कल से सस्टेंनेबल क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का एक पैकेज ले जा रहा था। मार्लिन ने रिकॉर्ड बनाया और उन्हें ब्राइटड्रॉप और फेडईक्स से उन्हें समर्थन मिला। ऑफिशियली झेवो 600 में 250 मील यानी की 402.3 किमी की लिमिट होती है, लेकिन मार्लिन ने व्हीकल से 260 मील यानी कि 418 किमी तक रेंज निकालकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। इस वर्ल्ड रिकॉर्ड डिलीवरी के बाद ब्राइटड्राप अपने व्हीकल्स को हाईलाइट कर रहा है। उनका कहना है कि डिलीवरी, इलेक्ट्रिक वैन की एडवांस कैपेसिटी और क्लीन एडवांटेज पर जोर देती है। ब्राइटड्राप झेवो 600 में एक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला व्हीकल है और यह जीएम का मार्केट में सबसे तेज व्हीकल है। बता दें कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि सभी वाहन निमार्ता कंपनियां इस समय इलेक्ट्रिक वाहनों को बनाने पर जोर दे रही हैं। लोग इन्हें खरीदने के भी इच्छुक हैं। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के चलते लोग भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स खरीदने पर जोर दे रहे हैं। देखा जाए तो ये सभी काफी फायदेमंद भी हैं।

कोना ईवी के बाद हयूदै आयोनिक 5 करेगी पेश

- दिल्ली से राजस्थान पहुंचा देगी सिंगल चार्ज पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोना ईवी के बाद हयूदै आयोनिक 5 पेश करने जा रहा है। यह कार सिंगल चार्ज पर दिल्ली से राजस्थान तक पहुंचा देगी। चालू साल की दूसरी छमाही में आयोनिक 5 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर को भारत में लॉन्च किया जाएगा। बता दें, हयूदै आयोनिक 5 को 'द प्रेस्टीजीयस 2022 वर्ल्ड कार' का अवार्ड भी मिल चुका है। हयूदै मोटर इंडिया के एमडी और सीईओ उंसू किम ने कहा, 'कंपनी भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार करने पर जोर दे रही है।'

साथ ही उन्होंने बताया कि कंपनी ने 2028 तक 6 बीईवी (बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल) को बाजार में उतारने का लक्ष्य रखा है। इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर अभी दो बैटरी पैक के साथ उपलब्ध है। 72.6केडब्ल्यूएच की मैक्सिमम रेंज 481 किलोमीटर है जबकि 58केडब्ल्यूएच की मैक्सिमम रेंज 385 किलोमीटर है। हयूदै आयोनिक 5 की बैटरी 800वी टेक्नोलॉजी की इस्तेमाल किया गया है जिसे 220केडब्ल्यू के चार्जर से चार्ज करने पर सिर्फ 18 मिनट में ही 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। अभी हयूदै आयोनिक 5 में दो ऑप्शन आते हैं- 2 डब्ल्यूडी और एडब्ल्यडी। सिंगल मोटर सेटअप बेसवैरिएंट में उपलब्ध है और ये 8.5 सेकंड में 0 से 100केएमपीएच तक पहुंच सकता है। जबकि डुअल-मोटर वर्ज़न 5.2 सेकंड में 0 से 100केएमपीएच की गति पकड़ सकता है। इस वर्जन में 185केएमपीएच अधिकतम स्पीड मिलती है। फिलहाल भारत में लॉन्च होने जा रहे हयूदै आयोनिक 5 के बारे में कोई जानकारी कंपनी की तरफ से नहीं दी गई है।

कोरोमंडल इंटरनेशनल को 183 करोड़ का मुनाफा

चेन्नई (ईएमएस)। कृषि एवं फसल सुरक्षा संबंधी समाधान प्रदान करने वाली कोरोमंडल इंटरनेशनल लिमिटेड का एकीकृत का मुनाफा वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में बढ़कर 183 करोड़ रुपए हो गया। कोरोमंडल ने बताया कि वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 156 करोड़ रुपए था।

वहीं 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 1,412 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में 1,313 करोड़ रुपए था। इसके अलावा बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में कंपनी की परिचालन आय उछलकर 4,294 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 2,860 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 में उसकी परिचालन आय एकल आधार पर 19,231 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 14,231 करोड़ रुपए थी। कोरोमंडल के प्रबंध निदेशक समीर गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, कृषि क्षेत्र ने रिकॉर्ड खाद्यान्न संरक्षण और कृषि निर्यात के साथ एक मजबूत प्रदर्शन किया। कंपनी ने फास्फेटिक उर्वरक, एकल सुपर फॉस्फेट, फसल संरक्षण, जैविक उर्वरक समेत जैव कीटनाशक के अपने विविध पोर्टफोलियो में लचीला प्रदर्शन दिखाया।

आईफोन 14 में बेजल होंगे काफी पतले

-आईफोन 14 में 'बाथटब' नॉच भी नहीं होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एप्पल कंपनी के आईफोन 13 की तुलना में 14 में बेजल काफी पतले होंगे। आईफोन 14 में 'बाथटब' नॉच भी नहीं होगा, इसकी जगह कंपनी पिल-शेप कट-आउट दे सकती है, इसी जगह फेस आईडी एलिमेंट का इस्तेमाल किया जाएगा। आईफोन 14 प्रो में व्यू एरिया भी आईफोन 13 की तुलना में काफी ज्यादा हो जाएगा। हो सकता है कि ये बदलाव आईफोन यूजर्स को पसंद भी न आएं क्योंकि आमतौर पर ये सभी बदलाव एंड्रॉइड में किए जाते हैं और अब अगर कंपनी अपने नोच डिस्प्ले में बदलाव करती है तो ये यूजर्स को थोड़ा परेशान भी कर सकता है। एप्पल ने पहले ही इस साल कह दिया था कि वह अपने 6.1 और 6.7 इंच वाले मॉडल को ही जारी रखेगा। अगर ऐसा होता है तो कंपनी अपने मिनी वेरिएंट को बंद कर सकती है। साथ ही प्रो-मैक्स मॉडल के डिस्प्ले पहले की तरह ही इस फोन की स्क्रीन भी 6.7 इंच ही होगी। एप्पल ने ये भी साफ कर दिया था कि उसकी नॉच डिस्प्ले भी जारी रहेगी। अब लीक्स के मुताबिक, अगर फोन में बदलाव होते हैं तो ये,डर यूजर्स के लिए बिल्कुल नया एक्सपीरियंस होगा। लीक्स एप्पलप्रो ने कीमत को लेकर भी खुलासा किया था। आईफोन 14प्रो मेक्स की कीमत 1199 डॉलर हो सकती है। अन्य टैक्स को मिला दें तो भारत में इसकी कीमत ज्यादा भी हो सकती है। इस फोन के बारे में आधिकारिक तौर पर तभी कुछ कहा जा सकता है जब कंपनी की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान सामने आता है। बता दें, एप्पल ने 2017 में नॉच डिस्प्ले लॉन्च किया था। उसके बाद टॉप मॉडल्स में नॉच डिस्प्ले रहता है। कई समय से आईफोन का डिस्प्ले डिजाइन भी चेंज नहीं हुआ है।

आज का भाग्य — आज का राशिफल

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे।
वृषभ राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कामकाज को लेकर छोटा प्रवास हो सकता है।
मिथुन राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यवसाय-धंधा मध्यम रहेगा और कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी, लेकिन अपने प्रयासों और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी।
कर्क राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में प्रगति होगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार अच्छा चलेगा और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे।
सिंह राशि :- आर्थिक दृष्टि से स्थिति मजबूत होगी, लेकिन पारिवारिक समस्याएं आएंगी।
कन्या राशि :- दिन अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कारोबार विस्तार की योजनाएं बना रहे हैं, तो नये कार्यों की शुरूआत से बचें, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।
तुला राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।
वृश्चिक राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।
धनु राशि :- दिन सामान्य रहेगा। लेकिन नए कार्यों में शीघ्रता से बचें, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।
मकर राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में स्थितियां चुनौतीपूर्ण रह सकती हैं।
कुम्भ राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आकस्मिक धनलाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
मीन राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। कार्यभार की अधिकता से परिश्रम अधिक करना पड़ेगा और भागदौड़ भी रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

क्रिकेट बिरादरी ने दी 'हिटमैन' रोहित शर्मा को उनके 35वें जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आज अपना 35वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर क्रिकेट बिरादरी ने 'हिटमैन' को सोशल मीडिया के जरिए शुभकानाएं दीं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, "हैप्पी बर्थडे रोहित शर्मा। गॉड ब्लेस यू।" सुरेश रैना ने ट्वीट किया, "क्रिकेट के मास्टर रोहित शर्मा को मेरी शुभकामनाएं। आपने हम सभी को गौरवान्वित किया है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया है। भगवान आपको हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदान करें।" पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने ट्वीट किया, "एकमात्र बल्लेबाज को जन्मदिन की बधाई जिसने मुझे एक कप्तान के रूप में बुरे सपने दिए हैं। शुक्र है कि मैं अब कप्तान नहीं हूं।" भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने भी रोहित शर्मा को बधाई दी, उन्होंने ट्विट किया, "दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं रोहित, भगवान आपको आने वाले वर्ष में ढेर सारी खुशियां और सफलता प्रदान करें।" मुंबई इंडियंस टीम के उनके साथी खिलाड़ी तिलक वर्मा ने ट्वीट किया, "जन्मदिन मुबारक हो रोहित भाई। जब से मैं छोटा था तब से आप मेरी प्रेरणा हैं और अब हर दिन मुंबई की टीम में आप मुझे प्रेरणा दे रहा हैं।" रोहित की आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने भी ट्विटर पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और ट्वीट किया, "30 अप्रैल बोले तो अपने रोहित का ब्रर्थडे!" अजिंक्य रहाणे ने ट्वीट किया, "जन्मदिन मुबारक हो रोहित!

यहां कई सालों की अच्छी दोस्ती है।" भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया गया, "400 अंतरराष्ट्रीय मैच, 15,733 अंतरराष्ट्रीय रन और 3 एकदिवसीय दोहरे शतक लगाने वाला एकमात्र बल्लेबाज, 2007 आईसीसी विश्व टी20 और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विजेता, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।" दिनेश कार्तिक ने ट्वीट किया, "आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं रोहित! आप हमेशा हास्य के साथ रहें और सभी के चेहरे पर मुस्कान लाएं और हमेशा प्यार करने वाले पारिवारिक व्यक्ति बनें रहें।" भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह ने ट्वीट किया: "जन्मदिन मुबारक हो भाई, यह समय अपने आप को वापस करने और इसे हमेशा की तरह पार्क से बाहर निकालने का है।

आपके विशेष दिन पर आपको ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।" रोहित को उनकी पीढ़ी के महान खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। रोहित के नाम 50 ओवर के प्रारूप में तीन दोहरे शतक भी हैं। साथ ही, वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं, जिसने पांच बार मुंबई इंडियंस के साथ खिताब जीता है।

हार्दिक पांड्या ने रोहित शर्मा की याद दिला दी : गावस्कर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने उन्हें रोहित शर्मा की याद दिला दी जब उन्हें पहली बार मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया था। अपना पहला आईपीएल खेल रही गुजरात टाइटंस ने लीग में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। टीम ने 8 मैचों में से सात में जीत दर्ज की है और अंकतालिका में 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है। हार्दिक पांड्या टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। गावस्कर का मानना है कि कप्तानी की भूमिका हार्दिक के लिए वही काम कर रही है जो 2013 में रोहित के साथ हुई थी जब उन्हें कप्तान नियुक्त किया गया था। जिम्मेदारी ने रोहित को एक बेहतर बल्लेबाज और एक लीडर में बदल दिया और हार्दिक भी इसी तरह के संकेत दिखा रहे हैं। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव में गावस्कर ने कहा, "मैं हार्दिक के साथ जो देख रहा हूं वह रोहित शर्मा के साथ हुआ है जब उन्हें पहली बार सीजन के बीच में (आईपीएल 2013 में) मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिली थी। अचानक हमने देखा कि उनकी कप्तानी के साथ उनका शॉट चयन बहुत बेहतर हो गया है। इसी तरह, आप देख सकते हैं कि हार्दिक के साथ हो रहा है, उनका शॉट चयन बिल्कुल शानदार

है बेशक, वह एक उत्कृष्ट क्षेत्ररक्षक है और ऐसा ही मामला रोहित शर्मा के साथ था, वह कवर और क्लोज-इन में भी (उन दिनों में) एक शानदार क्षेत्ररक्षक थे। इसलिए पांड्या भी उन गुणों को दिखा रहे हैं और इसलिए गुजरात टाइटन्स की टीम बहुत अच्छा कर रही है।" पूर्व भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने शीर्ष क्रम में परिपक्वता के साथ बल्लेबाजी करने के लिए हार्दिक की प्रशंसा की। चावला ने कहा, "हार्दिक ने जिस तरह से बल्लेबाजी की है वह काबिले तारीफ है और वह काफी जिम्मेदारी ले रहा है। पहले वह नंबर 5 और 6 पर बल्लेबाजी करता था लेकिन अब वह नंबर 3 और 4 पर बल्लेबाजी कर रहा है ।उसे बेहतर करते देखकर अच्छा लगा। वह नियंत्रण में है, घबराहट के कोई संकेत नहीं हैं। वह गहरी बल्लेबाजी करना चाहता है, वह जानता है कि अगर वह अंत तक टिकी रहता है तो मध्य चरण में स्ट्राइक रेट में जो गिरावट आती है वह अंत में उस ठीक कर सकता है। वह एक बल्लेबाज के रूप में बहुत परिपक्व दिख रहा है।" पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा कि हार्दिक पांड्या को स्लोगर कहना गलत है क्योंकि बड़ौदा के ऑलराउंडर के पास अच्छी बल्लेबाजी तकनीक है और उसके पास सभी शॉट हैं। कैफ ने कहा, "वह बिल्कुल भी स्लॉगर नहीं है। उसके पास एक मजबूत आधार और एक अच्छी बल्लेबाजी तकनीक है। वह शानदार कवर ड्राइव और शॉट खींचता है। वह स्पिनरों के खिलाफ भी उतना ही अच्छा है और आराम से खेलता है। और मैदान के चारों ओर हिट करता है। ये एक अच्छे बल्लेबाज के संकेत हैं, स्लोगर नहीं, उसके बेसिक्स स्पष्ट हैं।" बता दें कि गुजरात टाइटंस का सामना आज शाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलौर (आरसीबी) से होगा।

मयंक अग्रवाल ने लखनऊ के खिलाफ मिली हार का ठिकरा बल्लेबाजों पर फोड़ा

पुणे, (हि.स.)। पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुक्रवार को 20 रनों से मिली हार का ठिकरा बल्लेबाजों पर फोड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 20 रनों से हराकर नौ मैचों में छठी जीत दर्ज की। 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। पंजाब की तरफ से जॉनी बेयरस्टो ने 32, मयंक अग्रवाल ने 25, ऋषि धवन ने नाबाद 21 और लियम लिविंगस्टोन ने 18 रन बनाए। लखनऊ की तरफ से मोहसिन खान ने 3, दुष्मंथा चमीरा और क्रुणाल पांड्या ने 2-2 व रवि बिश्नोई ने 1 विकेट लिया। मैच के बाद मयंक अग्रवाल ने कहा, "मुझे लगता है कि हम सिर्फ विकेट गंवाते रहे। हमारे पास ऐसे बल्लेबाज थे जो सेट थे और हम आउट होते रहे। यह निराशाजनक है और हमें सच्चाई का सामना करना होगा। हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। नई गेंद चारों ओर सीम कर रही थी और कुछ उछाल थी, यह एक महत्वपूर्ण अवधि थी और उसके बाद बल्लेबाजी करना बेहतर हो गया था।" हालांकि मयंक ने गेंद से शानदार प्रदर्शन के लिए पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की भी सराहना की। पंजाब की तरफ से कागिसो रबाडा ने 4, राहुल चाहर ने दो व संदीप शर्मा ने 1 विकेट लिया। अग्रवाल ने कहा, "हम बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं और एक गेंदबाजी इकाई के रूप में बहुत सी सही चीजें कर रहे हैं। अर्शदीप ने कदम बढ़ाया है, राहुल को विकेट मिले हैं और रबाडा हमेशा हमें महत्वपूर्ण विकेट दिला रहे हैं।" बता दें कि पंजाब किंग्स नौ मैचों में चार जीत और पांच हार के साथ अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। पंजाब के 8 अंक हैं।

क्रुणाल पांड्या ने अपनी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय पूर्व स्पिनर राहुल सांघवी को दिया

पुणे, (हि.स.)। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने अपनी गेंदबाजी में सुधार का श्रेय भारत के पूर्व स्पिनर राहुल सांघवी को दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 20 रनों से हराकर नौ मैचों में छठी जीत दर्ज की। क्रुणाल पंड्या ने पंजाब किंग्स के खिलाफ बीच के ओवरों में गेंद से शानदार प्रदर्शन किया और अपने चार ओवरों में 11 रन देकर दो विकेट लिये। मैच के बाद पांड्या ने कहा, "पिछले 7-8 महीनों से मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। परिणाम हर कोई देख सकता है क्योंकि मैंने कौशल में सुधार करने की कोशिश की है। कई बार जब आप छोटे प्रारूप में खेल रहे होते है तो आपको बहुत सी चीजों का एहसास नहीं है। मैं अपनी गेंद फेंकने के साथ अपनी ऊंचाई बढ़ाने की कोशिश कर रहा हूं और कुछ चीजें मेरी पकड़ में हैं। मैंने राहुल सांघवी की मदद ली और यह काम कर गया।" हालांकि, क्रुणाल बल्ले से भी अच्छे कर रहे हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि वह टूर्नामेंट में आगे बी बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, "बल्लेबाजी मेरे दिल के करीब है। मैं बल्ले से ज्यादा योगदान नहीं दे रहा हूं लेकिन यह एक लंबा टूर्नामेंट है और आगे जाकर मैं बल्ले से योगदान देना चाहूंगा।" मैच की बात करें तो इस मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डी कॉक के 46 और दीपक हुड्डा के 34 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 153 रन बनाए। पंजाब की तरफ से कागिसो रबाडा ने 4, राहुल चाहर ने दो व संदीप शर्मा ने 1 विकेट लिया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। पंजाब की तरफ से जॉनी बेयरस्टो ने 32, मयंक अग्रवाल ने 25, ऋषि धवन ने नाबाद 21 और लियम लिविंगस्टोन ने 18 रन बनाए। लखनऊ की तरफ से मोहसिन खान ने 3, दुष्मंथा चमीरा और क्रुणाल पांड्या ने 2-2 व रवि बिश्नोई ने 1 विकेट लिया।

पंजाब पर मिली जीत के बावजूद अपने बल्लेबाजों से खुश नहीं हैं केएल राहुल

पुणे, (हि.स.)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी)ने शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 20 रनों से हराकर नौ मैचों में अपनी छठी जीत दर्ज की। लेकिन जीत के बावजूद एलएसजी कप्तान केएल राहुल अपनी टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। मैच के बाद राहुल ने कहा, "मैं पहली पारी के बाद गुस्से में था क्योंकि यह बल्ले के साथ बेवकूफाना क्रिकेट था, टीम में अनुभवी बल्लेबाज हैं और उनसे ऐसे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी। हमने टाइमआउट पर इसके बारे में बात की थी कि यह एक मुश्किल पिच है लेकिन 160 का स्कोर हम बोर्ड पर लगा सकते हैं, लेकिन बल्लेबाजों ने कुछ खराब शॉट्स खेले और रनआउट भी हुए। मैं उस मध्य चरण से नाखुश था लेकिन यह खेल पूरी तरह से गेंदबाजों के बारे में है।" दुष्मंथा चमीरा की 10 गेंदों में 17 और मोहसिन खान के छह गेंदों पर 13 रनों की पारी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 153रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। राहुल ने कहा, "जिस तरह से चमीरा और मोहसिन ने 25-30 रन बनाए और फिर जिस तरह से उन्होंने 20 ओवरों में गेंदबाजी की, वह शानदार था। उन्होंने अपनी योजनाओं को पूर्णता के साथ अंजाम दिया और उन्होंने अपना उत्साह बनाए रखा। वे बल्ले और गेंद से अच्छे थे, इसलिए हम जिस तरह से एक टीम के रूप में खेले उससे वास्तव में खुश हैं लेकिन बल्लेबाजों को और बेहतर होने की जरूरत है।" केएल राहुल (06) के जल्दी आउट होने के बाद क्विंटन डी कॉक ने 46 और दीपक हुड्डा ने 34 रन की पारी खेली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की, लेकिन उनमें से कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। राहुल ने कहा, "हमने महसूस किया कि हमने नौ ओवरों में 60 रन बनाने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और इसे वास्तव में अच्छी तरह से गति दी। यह एक मुश्किल पिच थी और हम जानते थे कि यह 180-190 का विकेट नहीं था। अगर शीर्ष 3 में से एक बल्लेबाज ने 70 या 80 रन बनाए होते तो हमें शायद 10 या 15 रन अतिरिक्त मिलते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हमने तीन या चार ओवर के अंतराल में चार या पांच विकेट खो दिए और इसने हमें पीछे धकेल दिया,लेकिन जिस तरह से हमने गेंद से प्रतिक्रिया दी, वह अभूतपूर्व था।" लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डी कॉक के 46 और दीपक हुड्डा के 34 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 153 रन बनाए। पंजाब की तरफ से कागिसो रबाडा ने 4, राहुल चाहर ने दो व संदीप शर्मा ने 1 विकेट लिया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। पंजाब की तरफ से जॉनी बेयरस्टो ने 32, मयंक अग्रवाल ने 25, ऋषि धवन ने नाबाद 21 और लियम लिविंगस्टोन ने 18 रन बनाए। लखनऊ की तरफ से मोहसिन खान ने 3, दुष्मंथा चमीरा और क्रुणाल पांड्या ने 2-2 व रवि बिश्नोई ने 1 विकेट लिया।

केआईयूजी निशानेबाजी : ओलंपियन ऐश्वर्य को हराकर सरताज ने जीता स्वर्ण, अब ओलंपिक है लक्ष्य

बेंगलुरु, (हि.स.)। सरताज सिंह तिवाना ने शुक्रवार को साई शूटिंग रेंज में सभी को चौंकाते हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021 में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन इवेंट के फाइनल में ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पिछले साल टोक्यो ओलंपिक 2020 में भाग लेने के बाद, ऐश्वर्य, जो गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, को 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन इवेंट में पदक का प्रमुख दावेदार माना गया था। क्वालिफिकेशन राउंड में, ऐश्वर्य ने 600 में से 588 का स्कोर किया और शीर्ष स्थान पर रहे। ऐश्वर्य अंतिम आठ में भी सर्वोच्च स्कोरर था, जिन्होंने सरताज के खिलाफ आमने-सामने शूट-ऑफ से पहले 404.9 स्कोर किया था। अपनी बड़ी जीत के बाद बोलते हुए, पंजाब के पटियाला शहर के रहने वाले सरताज ने कहा, "मैं अपनी जीत पर खुश हूं, लेकिन मैं यह टैग सहन नहीं करना चाहता कि मैंने एक ओलंपियन को हराया, क्योंकि टैग अस्थायी हैं। शूटिंग एक खेल जिसमें एक दिन कोई जीतता है, और दूसरे दिन, दूसरा हारता है।" सरताज ने कहा, "ऐश्वर्य एक बहुत अच्छा दोस्त है। हम एक साथ शूटिंग करते थे और हमने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एक साथ खेला। वह एक महान साथी है, और उसने अपने करियर में महान चीजें हासिल की हैं। हमारे बीच हमेशा एक दोस्ताना प्रतिद्वंद्विता रही है और यह बहुत अच्छा था। उसके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने और जीत हासिल करने में मजा आया।" हालांकि, विनम्र सरताज ने इस बात का जिक्र नहीं किया कि यह दूसरी बार था जब उन्होंने खेलो इंडिया इवेंट में ऐश्वर्य को हराया था। दोनों निशानेबाजों ने पुणे में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2018 में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में भी भाग लिया था, जिसमें सरताज ने भी जीत हासिल की थी। ऐश्वर्य ने रजत पदक जीतने के बाद कहा, "सरताज मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक है। वह एक महान निशानेबाज है। पुणे में 2018 केआईवाईजी में, उसने स्वर्ण पदक जीता और मैंने रजत पदक जीता। इतिहास आज फिर दोहराया गया।" उन्होंने कहा, "यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि मेरे प्रिय खेल, शूटिंग का स्तर इस देश में इतना ऊंचा है कि कोई भी किसी भी दिन आगे आ सकता है। केआईयूजी बहुत सारे एथलीटों को अपनी पहचान बनाने का मौका दे रहा है, और मैं सरताज के लिए खुश हूं।ह्व 2018 में पुणे में केआईवाईजी में स्वर्ण पदक जीतने के कारण सरताज को खेलो इंडिया स्कॉलरशिप मिली और 2020 में, उन्हें टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप एथलीट्स के तहत चुना गया और उन्हें अन्य उपकरण और सुविधाओं के अलावा रहने की सुविधा प्रदान की गई। सरताज ने कहा, "खेलो इंडिया और टॉप्स योजनाओं के समर्थन ने मुझे खर्चों की चिंता किए बिना सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति दी।" अब, सरताज की निगाहें पेरिस 2024 पर टिकी हैं क्योंकि वह सबसे बड़े मंच पर भारत का झंडा लहराने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, "ओलंपिक में भारत का झंडा लहराने का हर खिलाड़ी का एक ही सपना होता है। इसलिए मैं उसी सपने का पीछा करना जारी रखूंगा और इसके लिए कड़ी मेहनत करूंगा।"

ब्रिटेन में चार आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद सजा का सामना करने पहुंचे पूर्व टेनिस खिलाड़ी बोरिस बेकर अपने साथी लिलियन डी कार्वाल्हो मोंटेइरो के साथ। (फोटो-ईएमएस)

पंजाब के खिलाफ मिली जीत पर डी कॉक ने जताया आश्चर्य, गेंदबाजों के प्रदर्शन को सराहा

पुणे, (हि.स.)। पंजाब किंग्स पर मिली 20 रनों की जीत के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने कहा कि यह आश्चर्यजनक था कि केवल 153 रन बनाने के बावजूद उनकी टीम जीत गई। साथ ही उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। लखनऊ सुपर जायंट्स ने शुक्रवार को यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 20 रनों से हराकर नौ मैचों में छठी जीत दर्ज की। लखनऊ का मध्यक्रम असफल रहा और टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर केवल 153 रन ही बना सकी, लेकिन उनके गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिला दी। कप्तान केएल राहुल (06) के सस्ते में आउट होने के बाद क्विंटन डी कॉक ने 37 गेंदों में 46 रनों की पारी खेली और दीपक हुड्डा के साथ दूसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की। लखनऊ की टीम का एक समय स्कोर 12.4 ओवरों में स्कोर 2 विकेट पर 98 रन था।

ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा,पूरी टीम एक दूसरे का समर्थन करती है : मोहसिन खान

पुणे, (हि.स.)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) पर 20 रन की जीत के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने कहा कि उनकी टीम बेहतरीन है और सभी एक दूसरे का पूरा समर्थन करते हैं। मोहसिन खान ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, " लखनऊ की टीम के ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत अच्छा है, पूरी टीम साथ आती है और एक दूसरे का समर्थन करती है। जीत से खुश हूं और उन योजनाओं पर ध्यान देना जारी रखूंगा जिन्होंने हमारे लिए काम किया है।" कप्तान केएल राहुल के साथ मैदान पर चर्चा के बारे में बात करते हुए, खान ने कहा, "कप्तान ने मुझसे कहा कि मुझे वही करना है जो मैं इतने लंबे समय से कर रहा हूं, जैसे मैं धीमी गति से अच्छी तरह से गेंदबाजी कर रहा था और अपनी गेंदबाजी क्षमताओं का समर्थन कर रहा था। " लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए क्विंटन डी कॉक के 46 और दीपक हुड्डा के 34 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 153 रन बनाए। पंजाब की तरफ से कागिसो रबाडा ने 4, राहुल चाहर ने दो व संदीप शर्मा ने 1 विकेट लिया। जवाब में पंजाब की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। पंजाब की तरफ से जॉनी बेयरस्टो ने 32, मयंक अग्रवाल ने 25, ऋषि धवन ने नाबाद 21 और लियम लिविंगस्टोन ने 18 रन बनाए। लखनऊ की तरफ से मोहसिन खान ने 3, दुष्मंथा चमीरा और क्रुणाल पांड्या ने 2-2 व रवि बिश्नोई ने 1 विकेट लिया।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप के फाइनल में सेल का सामना नवल अकादमी से

जमशेदपुर, (हि.स.)। दूसरे हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2022 के फाइनल में सेल हॉकी अकादमी का सामना मेजबान नवल टाटा हॉकी अकादमी से होगा। सेल हॉकी अकादमी ने शनिवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में शूटआउट में आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी को 4-3 से हराया। तय समय तक दोनों टीमें 2-2 से बराबरी पर थीं, जिसके बाद शूट आउट का सहारा लिया गया। कैप्टन केरोबिन लाकड़ा ने सेल हॉकी अकादमी को दूसरे मिनट में बढ़त दिलाई,हालांकि आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी के अंकित ने 15वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-1 से बराबरी दिला दी। नितेश ने 40 वें मिनट में गोल कर सेल हॉकी अकादमी की बढ़त 2-1 कर दी। इसके बाद रामाजी प्रशांत कुमार ने 54वें मिनट में गोल कर आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी को 2-2 से बराबरी दिला दी, जिसके बाद मैच शूटआउट में चला गया, जहां सेल हॉकी अकादमी ने 4-3 से बाजी मारी। शूटआउट में सेल हॉकी अकादमी के लिए अनमोल एक्का, केरोबिन लकड़ा, तरुण यादव ने गोल किया, जबकि संचित होरो, रामाजी प्रशांत कुमार और नीतीश कुमार ने आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी के लिए गोल किया। दूसरे सेमीफाइनल में नवल टाटा हॉकी अकादमी-जमशेदपुर ने राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को 3-1 से हराया। लालप्रीत सिंह (5') ने राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी को शुरूआती बढ़त दिलाई, लेकिन इसकके बाग साइमन बोदरा (12'), दीपक सोरेंग (30') और मोहम्मद दानिश (51') ने गोल कर नवल अकादमी को जीत दिला दी। आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी और राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी के बीच तीसरे/चौथे स्थान के लिए मैच रविवार 1 मई को खेला जाएगा, जबकि इसी दिन मेजबान नवलसेना टाटा हॉकी अकादमी-जमशेदपुर और सेल हॉकी अकादमी के बीच फाइनल मुकाबला भी खेला जाएगा।

कोयले की कमी से गहराया एक दर्जन राज्यों में बिजली संकट

-विधायक चिट्ठी लिखकर मांग रहे क्षमायाचना

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में भीषण गर्मी का दौर अपना कहर बरपा रहा है और ऐसे में कोयले आपूर्ति कम होने से बिजली संकट भी भीषण होता जा रहा है। उत्तर में जम्मू-कश्मीर से लेकर दक्षिण में आंध्र प्रदेश तक देश के 18 राज्यों में लोगों को 12-12 घंटों तक बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है। यूपी के विद्युत उत्पादन केंद्रों कोयले के भारी कमी होने के कारण लगातार बिजली कट रही है। वहीं, बिजली कटौती से नाराज पंजाब के किसानों ने शुक्रवार को अमृतसर में राज्य के बिजली मंत्री हरभजन सिंह के घर के सामने प्रदर्शन किया। जम्मू में डिमांड से आधी ही सप्लाई है इसलिए हर आधे घंटे में कटौती हो रही है। कश्मीर में बिजली कटौती ने पेयजल का संकट खड़ा कर दिया है। उत्तराखंड, एमपी और झारखंड में भी लगातार बिजली कटौती हो रही है। उत्तर प्रदेश के अनपरा पावर प्लांट में रोजाना 40,000 टन कोयले की जरूरत होती है। यहां शुक्रवार को 32,000 टन कोयले की ही सप्लाई हुई। अनपरा विद्युत उत्पादन केंद्र में 6 दिन के कोयले का स्टॉक बचा है। वहीं, ओबरा परियोजना को रोजाना 12,500 टन कोयले की जरूरत के मुकाबले 7,900 टन कोयला ही मिला। यहां चार दिन का ही कोयला बचा है। हरदुआगंज को 19,000 मीट्रिक टन की जरूरत के मुकाबले 3,800 टन कोयला सप्लाई हुआ। इस पावर प्लांट में भी चार दिन का कोयला शेष है। ऐसे ही पारीछा पावर प्लांट में 15,500 टन कोयले की रोजाना जरूरत है। इसके मुकाबले 15,000 टन कोयला ही सप्लाई हुआ। पारीछा में एक दिन का कोयला बचा है। जम्मू में कई इलाकों में 10 घंटे से ज्यादा बिजली कटौती हुई, जिससे पानी का भी संकट खड़ा हो गया है। इसके विरोध में शुक्रवार को लोगों ने प्रदर्शन किया। बिजली की बढ़ती कटौती के कारण सत्ताधारी के पार्टी बीजेपी के विधायकों पर जनता का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में कोई जनता से माफी मांग रहा है तो कोई ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर नाराजगी जाहिर कर रहा है।

वहीं, मुख्य विपक्षी पार्टी सपा ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के विधायक जिलों में बिजली केंद्रों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। संत कबीरनगर की घनघटा सीट से बीजेपी विधायक गणेश चौहान ने सोशल मीडिया के जरिए खराब बिजली व्यवस्था पर जनता से माफी मांगी। उन्होंने जनता से कुछ समय दिए जाने की दरख्वास्त करते हुए, जल्द ही समस्या सुलझाने का आश्वासन दिया है। पीलीभीत की पूरनपुर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक बाबूराम पासवान ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को चिट्ठी लेकर अपने क्षेत्र में खराब बिजली सप्लाई पर नाराजगी जताई है। कमोबेश यही हाल प्रदेश के ज्यादातर जिलों का है। बदायूं जिले के बिसौली विद्युत उपकेंद्र पर तैनात सब स्टेशन ऑपरेटर के साथ कथित तौर पर मारपीट करने और रजिस्टर फाड़ने के आरोप में बिसौली से सपा के विधायक आशुतोष मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। विधायक बिजली कटौती के कारण उपकेंद्र पर प्रदर्शन कर रहे थे। बिजली कटौती से यूपी के लोगों को 1 मई से कुछ राहत मिल सकती है। ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा है कि 1 मई से 2,000 मेगावॉट अतिरिक्त बिजली का इंतजाम किया गया है। इसमें सिक्किम और हिमाचल प्रदेश से 400 मेगावॉट हाइड्रो पावर ली जाएगी। इसके अलावा 325 मेगावॉट विद्युत मध्यप्रदेश और 283 मेगावॉट बिजली राजस्थान से मिलने की संभावना है। इसी तरह बिडिंग के जरिए भी 430 से 950 मेगावॉट बिजली की व्यवस्था की जा रही है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि शुक्रवार को केंद्रीय सेक्टर से 332 मेगावॉट, परीक्षा से 118 मेगावॉट और अन्य स्त्रोतों से 331 मेगावॉट बिजली की उपलब्धता बढ़ सकती है। पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष एम देवराज का कहना है कि बिजली संकट से निपटने के हर संभव प्रयास किए जा रहे है।

पटियाला हिंसा के पीछे राजनीतिक दलों का हाथः मुख्यमंत्री मान

-चार एफआईआर दर्ज, कई आरोपित गिरफ्तार

-राजनीतिक दलों की साजिश को जल्द करेंगे बेनकाब

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि पटियाला में हुआ खूनी संघर्ष दो समुदायों का नहीं बल्कि राजनीतिक दलों का है। यह अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी, शिव सेना तथा अकाली दल अमृतसर के बीच का विवाद है। पटियाला हिंसा के बाद पहली बार मीडिया को जारी बयान में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह दो समुदायों की नहीं बल्कि राजनीतिक दलों की लड़ाई थी। जिसे धर्म व समुदाय का रंग दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटियाला प्रकरण के बाद जहां पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है, वहीं अलग-अलग चार एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कइयों की तलाश में लगातार छापे मारे जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा, अकाली दल, अकाली दल (अमृतसर) समेत कई राजनीतिक दल ऐसे हैं, जिन्हें पंजाब का विकास हजम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष का उसी दिन मंदिर में जाना अपने-आप में सारे हालात बयां करता है। मान ने कहा कि पंजाब पुलिस को समयबद्ध जांच करने के निर्देश जारी किए गए हैं। वह खुद पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सभी आरोपितों को गिरफ्तार करके इसके पीछे की साजिश को बेनकाब करके पंजाब वासियों के सामने रखा जाएगा।

उप्र कौशल विकास मिशन में स्वास्थ्य से जुड़े पांच नए कोर्स होंगे शामिल

-रेडियोथेरेपी, एनेस्थीसिया, डायलिसिस टेक्नीशियन के कोर्स भी किए जाएंगे शामिल

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन में स्वास्थ्य से जुड़े पांच नए कोर्सों को जल्द शामिल किया जाएगा। इसमें ओटी टेक्नीशियन, रेडियोथेरेपी टेक्नीशियन, एनेस्थीसिया टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन और एमआरआई टेक्नीशियन के कोर्सों को शामिल किया जाएगा। योगी सरकार ने पिछले पांच सालों में स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह इसी का परिणाम रहा कि अपने पिछले कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिली हैं। ऐसे में योगी सरकार-02 ने आने वाले पांच सालों के लिए एक रोडमैप तैयार कर लिया है। पिछले कई दशकों से यूपी की स्वास्थ्य सुविधाओं में रोड़ा बने मानव संसाधन के लिए योगी सरकार एक बेहतरीन योजना के तहत काम करने जा रही है। योगी सरकार नर्सिंग पैरामैडिकल में गुणात्मक सुधार करेगी। सरकारी मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना और सीट में वृद्धि की जाएगी। इसके साथ ही प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। इसके लिए एक बेहतरीन रोडमैप तैयार कर लिया गया है। प्रदेश में छह माह में पांच नर्सिंग स्कूल, तीन पैरामैडिकल को क्रियाशील किया जाएगा। वहीं 24 स्किल लैब का शिल्यान्यास किया जाएगा। नीट के जरिए से जीएनएम और बीएससी नर्सिंग में प्रवेश किया जाएगा। प्रदेश में पांच सालों में 49 से अधिक नर्सिंग स्कूल क्रियाशील होंगे। वहीं पैरामैडिकल के लिए 49 क्रियाशील होंगे। पांच सालों में एमबीबीएस की सात हजार, पीजी की तीन हजार, नर्सिंग की 14 हजार 500 और पैरामेडिकल की तीन हजार 600 सीटों को बढ़ाया जाएगा। पिछली सरकारों के मुकाबले योगी सरकार का कार्यकाल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वर्णिम युग लेकर आई है।

24 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में साल 2017 से पहले जहां महज 12 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं योगी द्वारा सत्ता संभालने के बाद यूपी में तेजी से चिकित्सीय सुविधाओं में विस्तार किया गया। कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार ने युवाओं के लिए बेहतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिस प्रकार से पिछले पांच वर्षों में कार्य किया गया है, उसी तरह से एक बार फिर हम लोगों ने तैयारी की है। सरकारी क्षेत्र में नौकरी पाने के साथ ही तमाम सेक्टर ऐसे हैं जहां पर स्किल डेवलपमेंट की जरूरत होती है। सरकार युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार पाने के योग्य बना रही है। उन्हें रोजगार मुहैया करा रही है।

राजद्रोह कानून पर देशव्यापी बहस की जरूरतः शिवसेना

-संजय राऊत ने कहा, हनुमान चालीसा के नाम पर देश को किया जा रहा विभाजित

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने शनिवार को कहा कि राजद्रोह पर देशव्यापी बहस की जरूरत है। हनुमान चालीसा के नाम पर दंगा भड़काकर देश को विभाजित करने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपमानित करने वाला आज देश को हिंदुत्व सिखा रहा है। संजय राऊत ने पत्रकारों से कहा कि राज ठाकरे कई बार योगी आदित्यनाथ के बारे में अपमानजनक टिप्पणी कर चुके हैं। उन्हें गंजा, टकला, भगवा कपड़े पहनकर इधर-उधर घूमने वाला बता चुके हैं। फिर रंग बदलते हुए राज ठाकरे उन्हें भैया बताकर केक काट चुके हैं। अब राज ठाकरे अयोध्या जा रहे हैं। राऊत ने कहा कि देखना है कि योगी उनका स्वागत किस तरह करते हैं। संजय राऊत ने कहा कि जब लोग सार्वजनिकरूप से हिंदुत्व शब्द का उच्चारण करने से डरते थे। तब बालासाहेब ठाकरे ने नारा दिया था कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं। बाबरी मसजिद ढहाने और उसके बाद हुए दंगों में हजारों शिवसैनिकों ने बलिदान दिया।हिंदुत्व के मुद्दे पर ही चुनाव आयोग ने छह साल तक के लिए बालासाहेब ठाकरे को मताधिकार से वंचित कर दिया था। प्रवक्ता राऊत ने कहा कि उन्हीं बालासाहेब ठाकरे की पीठ में खंजर भोंकने वाले अब हिंदुत्व की बात कर रहे हैं। शिवसेना कभी भी किसी का हथियार नहीं बनी और न बनेगी। अगर किसी ने भी शिवसेना को बदनाम करने का प्रयास किया तो करारा जवाब देगी। राजद्रोह कानून पर देशव्यापी बहस की जरूरत है क्योंकि केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों की सरकारें इसका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रही हैं। राऊत ने कहा कि सोशल मीडिया पर मामूली पोस्ट डालने वालों और कामेडी करने वालों पर राजद्रोह का मामला दर्ज होने लगा है। सांसद नवनीत राणा और रवि राणा पर राजद्रोह का मामला बनता था। इसलिए दर्ज किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी भीमा कोरेगांव मामले में राजद्रोह का मामला दर्ज किया था।

उप्र में अब तक 45,773 लाउड स्पीकर उतारे गए

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में सभी धर्मगुरुओं की सहमति पर धार्मिक स्थलों से अतिरिक्त लाउड स्पीकर उतारने का काम तेजी से हो रहा है। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों ने अब तक राज्य के विभिन्न धार्मिक स्थलों से 45,773 लाउड स्पीकर उतार लिए गए। वहीं, मानक के अनुसार 58,861 लाउड स्पीकर की ध्वनि को कम कराई जा चुकी है। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने शनिवार को यह जानकारी दी है कि राज्य सरकार के आदेशों का पालन सख्ती से कराया जा रहा है। सभी धर्मों के गुरुओं की सहमति के बाद धार्मिक स्थलों से अतिरिक्त लाउड स्पीकर को उतारने का कार्य किया जा रहा है। कुछ लोगों ने तो स्वयं ही लाउड स्पीकर को उतार लिया है। विदित हो कि राज्य गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी ने बीते दिनों शासनादेश जारी करते हुए सभी थानों को निर्देशित किया था कि विशेष अभियान चलाकर अवैध और तेज आवाज में बजने वाले लाउडस्पीकर को हटाया जाए। 30 अप्रैल तक कार्रवाई की रिपोर्ट शासन को भेजनी है। और ऐसा न करने पर संबंधित थाना इंचार्ज के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन ने 26 अप्रैल से लाउड स्पीकर को उतारने की कार्रवाई में जुट गई थी।

उत्तराखंड चार धाम यात्राः देव डोलियों के धामों को प्रस्थान का कार्यक्रम जारी

-कपाट खुलने के लिए तैयारियां जोरों पर

-केदारनाथ धाम-06 मई, बदरीनाथ-08 मई, गंगोत्री-यमुनोत्री-03 मई को खुलेंगे कपाट

देहरादून, (हि.स.)। चार धाम यात्रा-2022 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कपाट खुलने के लिए देव डोलियों के धामों को प्रस्थान का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। श्रद्धालुओं के सुखद और सुविधाजनक यात्रा को लेकर शासन प्रशासन के साथ मंदिर समिति की ओर से व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्य जारी हैं। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डा.हरीश गौड़ ने बताया है कि केदारनाथ धाम के कपाट 6 मई (शुक्रवार) समय प्रातः 6.15 पर खुलेंगे। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के प्रस्थान का कार्यक्रम के अंतर्गतभैरव पूजा 1 मई रविवार को है। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली धाम प्रस्थान करेगा। 02 मई सोमवार प्रातः 9 बजे होगा 02 मई प्रथम पडाव विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी प्रवास रहेगा, 03 मई मंगलवार गुप्तकाशी से 8 बजे प्रातः फाटा प्रस्थान एवं प्रवास रहेगा। 04 मई बुधवार फाटा से प्रातः 08 बजे गौरामाई मंदिर गौरीकुंड प्रस्थान एवं प्रवास गौरीकुंड रहेगा। पांच मई गुरुवार गौरीकुंड से प्रातः छह बजे भगवान की पंचमुखी डोली गौरीकुंड से केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी। छह मई शुक्रवार प्रातः 06 बजकर 15 मिनट पर केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ खुलेंगे।

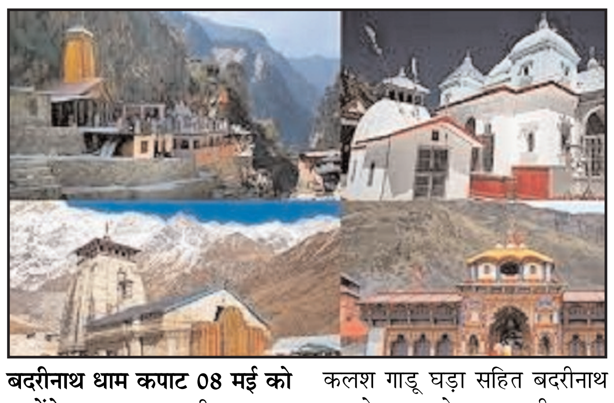

बदरीनाथ धाम कपाट 08 मई को खुलेंगे कपाट - बदरीनाथ धाम कपाट 08 मई रविवार सुबह 6 बजकर 25 मिनट पर खुलेंगे। बदरी विशाल देव डोली प्रस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत 06 मई शुक्रवार प्रातः 9 बजे नृसिंह मंदिर जोशीमठ से आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी एवं तेल कलश गाडू घड़ा सहित बदरीनाथ धाम के रावल योगध्यान बदरी प्रस्थान एवं प्रवास पांडुकेश्वर रहेगा तथा 07 मई शनिवार प्रातः योग बदरी पांडुकेश्वर से आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, रावल सहित देवताओं के खजांची कुबेर एवं भगवान के सखा उद्धव, गाडू घड़ा तेल कलश बदरीनाथ धाम को पांडुकेश्वर से प्रातः 9 बजे बदरीनाथ धाम को प्रस्थान करेंगे और बदरीनाथ धाम पहुंचेंगे। 08 मई प्रातः 6 बजकर 25 मिनट पर शीतकाल के लिए बदरीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे।

गंगोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि - मंदिर समिति गगोत्री और मंदिर समिति यमुनोत्री के अनुसार गंगोत्री धाम के कपाट खुलने की तिथि 03 मई मंगलवार दोपहर 11.15 बजे पूर्वाह्न है। यमुनोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 03 मई मंगलवार अपराह्न दिन 12.15 बजे है। यमुना की डोली 03 मई प्रातः शीतकालीन गद्दी स्थल खुशीमठ (खरसाली) से प्रस्थान करेगी। पवित्र हेमकुंड साहिब और लोकपाल तीर्थ के कपाट रविवार 22 मई को को खुलेंगे।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

कला सहयोगी-मोहित शुक्ला, रजनीश

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
• सतीश कुमार जट्टपुरा (करनाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

दूसरी शादी के सवाल पर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने कहा यह डिपेंट करता

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने हाल में ही फैंस के साथ आस्क मी एनीथिंग सेशन किया। जहां उन्होंने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े तमाम सवालों के जवाब दिए। इस सवाल जवाब के बीच करिश्मा ने सबसे रोचक जवाब अपनी शादी को लेकर दिया। फैन ने पूछा क्या आप दोबारा शादी करना चाहती हैं? इस सवाल को नजरअंदाज करने के बजाय करिश्मा ने जवाब देना सही समझा। करिश्मा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस जवाब को शेयर भी किया है। शादी के सवाल के जवाब को देने के लिए करिश्मा ने एक कंफ्यूज लड़की का चेहरा शेयर किया। तीन तस्वीर को शेयर करते हुए आखिरकार करिश्मा ने माना कि ये डिपेंट करता है। मतलब कि दूसरी शादी करना समय और स्थिति पर डिपेंट करता है। करिश्मा कपूर इन दिनों अपनी आने वाली क्राइम ड्रामा 'ब्राउन' को लेकर बिजी चल रही हैं। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी में कलीरे गिरने वाली रस्म में करिश्मा कपूर पर ही ननद के कलीरे गिरे थे। पंजाबी रीति रिवाज में ऐसा माना जाता है कि जिसपर नई नवेली दुल्हन के कलीरे गिरते हैं उसकी शादी जल्दी होने की संभावना होती है। इस रस्म की तस्वीर खुद करिश्मा कपूर ने ही शेयर की थी। साल 2003 में करिश्मा कपूर की पहली शादी संजय कपूर के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं समायरा और कियान है। लेकिन साल 2014 में संजय कपूर और करिश्मा कपूर ने तलाक का फैसला लिया।

स्विमिंग पूल में मस्ती करती दिखीं प्रियंका चोपड़ा, ब्लैक बिकिनी में ली मिरर सेल्फी

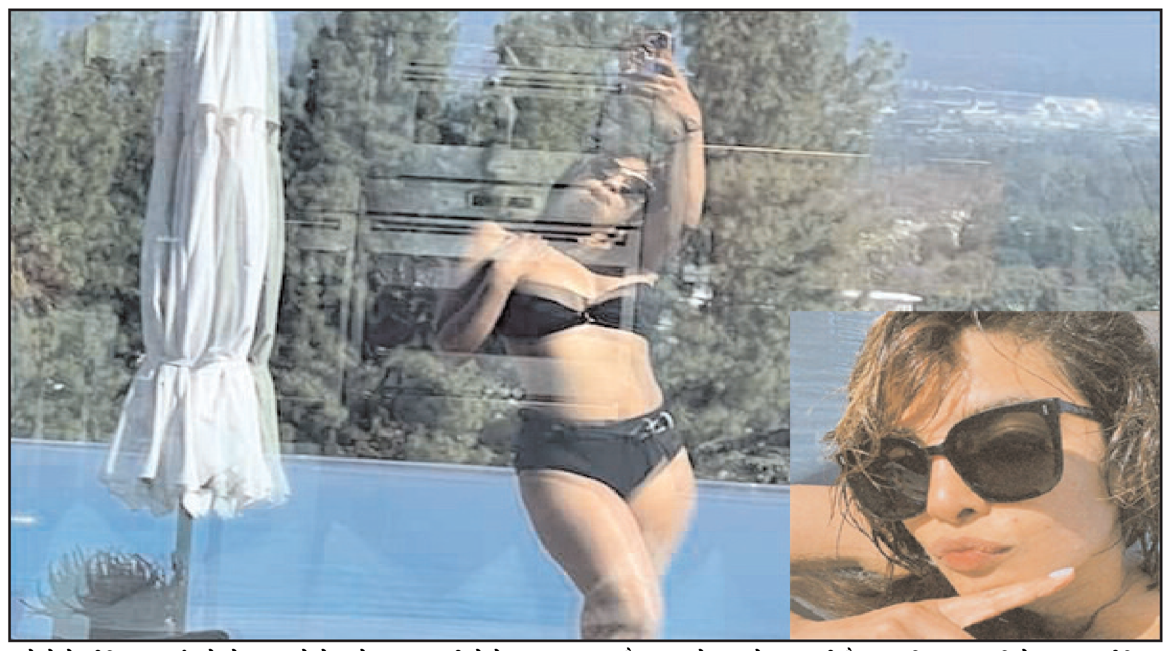

मुंबई (ईएमएस)। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर से अपनी नई पोस्ट की वजह से सोशल मीडिया पर हंगामा बरपा दिया है। अदाकारा का कूल अंदाज देखकर उनके चाहने वाले एक बार फिर से उनके लुक के फैन हो गए हैं। अपनी नई फोटो और वीडियो में देसी गर्ल को लॉस एंजेलिस के स्विमिंग पूल में मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। अदाकारा ने अपने सिजलिंग लुक से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है। प्रियंका चोपड़ा अपनी नई फोटो और वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखती हैं जब आपको स्वयं की देखभाल के लिए मनचाहे पल मिलते हैं, साउंड ऑन, क्या आप उन गानों को पहचान सकते हैं जिन्हें मैं सुन रही हूं?

प्रियंका चोपड़ा को उनके नए पोस्ट की फोटो और वीडियो में उन्हें स्विमिंग पूल में कभी आराम फरमाते हुए, तो कभी पानी के साथ खेलते हुए तो कभी सेल्फी वीडियो बनाते हुए देखा जा सकता है। उनके वीडियो के बैक गाउंड में फिल्म दिल है की मानता नहीं का टाइटल ट्रैक बज रहा है। दूसरी वीडियो में वह गुलाबी आंखें गाने पर थिरकती नजर आ रही हैं। इसके बाद उन्होंने जया बच्चन और संजीव कुमार की फिल्म अनामिका बिन तेरे सनम और भीगी भीगी रातों में के रीमिक्स वर्जन से लेकर बाहों में चले आओ गाने तक को भी सुना जा सकता है। वीडियो के अलावा उन्हें ब्लैक बिकिनी पहने हुए एक मिरर सेल्फी लेते हुए देखा जा सकता है। फोटो में उनका ग्लैमरस लाइफ स्टाइल भी आसानी से देखा जा सकता है। आपको बता दें कि अपने हुस्न और अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करने वाली प्रियंका सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती है। वह अक्सर अपने लुक को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हालांकि वह इन दिनों मदरहुड पीरिएड एन्जॉय कर रही है। हाल ही में वह सेरोगेसी के जरिए मां बनीं प्रियंका यूएस में रह कर पति निक जोनस संग अपनी प्यारी बेटी मालती का ख्याल रख रही हैं।

एक माह बाद मलाइका अरोड़ा शेयर की एक्सीडेंट से जुड़ी तस्वीरें

मुंबई (ईएमएस)। सुपरमॉडल मलाइका अरोड़ा का करीब एक महीने पहले भयंकर एक्सीडेंट हो गया था। आनन फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया और कुछ चोट भी उन्हें आई। जिसके इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज करवा दिया गया। इस बुरे अनुभव को वह सोशल मीडिया पर शेयर भी कर चुकी हैं। अब इस बुरे अनुभव को भुलाकर काम पर लौटी हैं। जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस तस्वीर में मलाइका अरोड़ा के माथे पर लगी चोट साफ नजर आ रही है जिसे इंटरनेट पर फैंस ने नोट किया है। मलाइका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में मलाइका कार में जूस पीती नजर आ रही हैं। उन्होंने काला चश्मा लगाया हुआ है। लेकिन इसके बावजूद उनके माथे पर लगी चोट साफ नजर आ रही हैं। आइब्रो के बीच चोट का निशान नजर आ रहा है। जिसे फैंस ने नोट किया और इंटरनेट पर उनकी चिंता करते नजर आए। 2 अप्रैल 2022 को महाराष्ट्र के खोपोली में एक्सप्रेस-वे पर उनकी कार का बुरी तरह से एक्सीडेंट हो गया था। एक्सप्रेस-वे पर तीन गाड़ियां टकरा गई थीं और मलाइका की गाड़ी बीच में थी। इस एक्सीडेंट में उन्हें मामूली चोटें आई थीं और जिसके बाद उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। सोशल मीडिया पर इस दर्दनाक अनुभव को शेयर करते हुए मलाइका ने कहा था कि वो दिन बेहद दर्दनाक था। ऐसा लग रहा था जैसे सब खत्म हो गया। वह बेहद डरावना पल था।

ऋषि कपूर को याद कर नीतू हुईं इमोशनल

रियलिटी शो 'डांस दीवाने जूनियर्स' के अपकमिंग एपिसोड का हाल ही में प्रोमो रिलीज किया गया है। वीडियो में शो में कंटेस्टेंट्स ऋषि कपूर की डेथ एनिवर्सरी के दिन अपनी परफॉर्मेंस के जरिए उन्हें ट्रिब्यूट देते हुए दिखाई देंगे। इस दौरान शो की जज एक्ट्रेस नीतू कपूर अपने दिवंगत पति एक्टर ऋषि कपूर को याद करते हुए इमोशनल हो जाती हैं। नीतू कहती हैं कि उन्हें हर रोज कोई न कोई ऋषि की याद दिला ही देता है। प्रोमो वीडियो में बानी नाम की एक कंटेस्टेंट की दादी नीतू कपूर को एक स्पेशल गिफ्ट देती हैं। वो बताती हैं कि उनके पति की 1974 में ऋषि कपूर से मुलाकात हुई थी और हमेशा एक्टर ने उनकी मदद की थी। साथ ही बानी की दादी एक फोटो भी दिखाती हैं, जिसमें उनके पति के साथ-साथ राज कपूर और ऋषि कपूर नजर आ रहे होते हैं। फिर आखिरी में वो नीतू के लिए 'लंबी जुदाई' गाना गाकर भी सुनाती हैं। गाना सुनते ही नीतू को ऋषि कपूर की याद आ जाती है, जिसके बाद वो भावुक हो जाती हैं और ऋषि को याद कर कहती हैं, "हमारा कुछ तो कनेक्शन होगा। अभी दो साल होने वाले हैं और मैं आप से अब मिली। मैं रोज किसी न किसी से मिलती हूं और रोज कोई न कोई मुझे उनकी याद दिला देता है। सबकी एक कहानी है उनके साथ और हर कोई उन्हें बहुत खुशी से याद करता है।"

जब मैं 15 साल की थी, मेरी फोटो पॉर्न साइट पर अपलोड कर दी गई थी : उर्फी जावेद

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया सेंशन उर्फी जावेद अक्सर अपने फैशन और स्टाइल की वजह से चर्चा में रहती हैं। हालांकि लोग उन्हें ट्रोल करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उन्हें वह तगड़ा जवाब देने में पीछे नहीं रहती हैं। वैसे उनकी फैमिली कभी भी उनके कपड़े पहनने के ढंग से शर्मिंदा नहीं हुई है। क्योंकि ऐक्ट्रेस जो भी करती हैं, उसमें उनकी फैमिली का सपोर्ट रहता है। काम के लिए ऐक्ट्रेस ने बहुत ही छोटी उम्र में अपना घर छोड़ दिया था और कॉल सेंटर में जॉब करना शुरू कर दिया था। वह अक्सर इंटरव्यू में अपने स्ट्रगलिंग डेज का जिक्र करती हैं। एक बार फिर उन्होंने कुछ खुलासे किए हैं। बताया है कि जब वह 15 साल की थीं, तब उनकी फोटो पॉर्न साइट पर अपलोड कर दी गई थी। एक बातचीत के दौरान उर्फी ने कहा मैं 15 साल की थी। मैंने ऑफ शोल्डर टॉप रहना था। मैंने वो खुद से ही बनाया था। फिल्मों और सब जगह देखा भी था। वह फोटो मैंने अपने फेसबुक पर पोस्ट की थी। और फिर किसी ने वही फोटो पॉर्न साइट पर पोस्ट कर दी थी। लोगों ने स्लट शेम करना शुरू कर दिया था। उसमें मेरा शहर, मेरा कस्बा और परिवार शामिल था। फिर मैंने सुसाइड कमिट करने की भी कोशिश की थी और आपको पता नहीं होता कि आप कितने स्ट्रांग हो, आखिर में आपके पास यही ऑप्शन बचता है। मुझे रेप और जान से मारने की भी धमकी मिली है। उर्फी जावेद के मुताबिक, उन्होंने जो पहना था वह एक नॉर्मल ट्यूब टॉप था। उसमें कुछ भी भद्दा जैसा नहीं था। 'लेकिन लोगों ने कहा कि क्या पहना है। तुम लड़की हो, तुम्हारी गलती है। तुमने ये टॉप पहनकर फोटो अपलोड क्यों की। उर्फी जावेद ने एक बार बताया था जब उनके मन में सुसाइडल थॉट्स आए थे। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कहा था कि वह अपनी लाइफ में कई बार फेल हुई हैं। उससे उनके मन में सिर्फ एक ही ख्याल आता था कि वह खुद को खत्म कर लें। इतना ही नहीं जब वह बिग बॉस ओटीटी में आई थीं तब वहां उन्होंने बताया था कि जब वह पैदा हुई थीं, तब उनके पिता खुश नहीं थे। उन्होंने एक्ट्रेस को दो साल तक फिजकली और मेंटली टॉर्चर किया था। वह उन्हें सपोर्ट नहीं करते थे। एडल्ट वेबस्टाइट पर तस्वीरें लीक होने के बाद तो रिश्तेदारों ने तो उन्हें पॉर्नस्टार कहना शुरू कर दिया था। लेकिन अब वह इन सब चीजों से बाहर आ गई हैं और उन्हें बिलकुल फर्क नहीं पड़ता कि लोग उनके बारे में क्या गॉसिप कर रहे हैं।

ट्रेडिशनल लुक में नजर आए अनुष्का शर्मा-विराट कोहली, विरुष्का की सादगी पर फिदा हुए फैंस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली लवेबल कपल में से एक माने जाते हैं। अनुष्का सोशल मीडिया पर अक्सर अपने और क्रिकेटर हस्बैंड विराट की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल की वेडिंग पार्टी की तस्वीरें अनुष्का ने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देख फैंस जमकर इस खूबसूरत जोड़ी की तारीफ कर रहे हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने हाल ही में भारतीय मूल की लड़की विनी रमन से ऑस्ट्रेलिया में शादी की है। ग्लेन ने आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए वेडिंग पार्टी आयोजित की थी। इस पार्टी में अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने भी शिरकत किया।

अनुष्का शर्मा ने इंस्टाग्राम पर गुरुवार सुबह-सुबह ग्लेन मैक्सवेल और विनी रमन के वेडिंग पार्टी की 2 तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में फंक्शन वेन्यू पर फूलों से सजे एक डेकोरेटिव रिक्शा के सामने अनुष्का और विराट कोहली पोज देते नजर आ रहे हैं। दूसरे में विराट और अनुष्का के बैकग्राउंड में आरसीबी लिटिल चैंप्स और मैक्सीविन लिखा हुआ नजर आ रहा है। वेडिंग पार्टी में पहुंचीं अनुष्का शर्मा ने पिंक कलर के सूट के साथ एम्ब्रॉयडरी वाला दुपट्टा लिया है तो विराट कोहली ब्लू कलर के कुर्ते और व्हाइट पायजामे में नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर अनुष्का शर्मा ने कैप्शन में लिखा बबल में वेडिंग फंक्शन, अब मुझे लगता है कि मैंने अब तक सारे फेस्टिवल और फंक्शन एक बबल में सेलिब्रेट किए हैं। हैश टैग के साथ बबल लाइफ लिखा है। बता दें कि ग्लेन ने आरसीबी बायो बबल में अपनी वेडिंग पार्टी दी थी। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली की इन खूबसूरत तस्वीरों को देखकर फैंस जमकर कमेंट करते हुए तारीफ कर रहे हैं। इनकी सादगी कई फैंस को पसंद आ रही है तो कई इन्हें क्यूट और खूबसूरत जोड़ी बता रहे हैं। बता दें कि क्रिकेटर ग्लेन मैक्वेल ने मार्च में विनी रमन के साथ हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाज के साथ शादी की थी। शादी के एक महीने के बाद मुंबई में वेडिंग पार्टी दी। इस पार्टी में विराट समेत कई खिलाड़ी पहुंचें और जमकर मस्ती की।

भाषा विवाद के बीच अजय देवगन ने साउथ फिल्मों को सराहा

एक्टर अजय देवगन इन दिनों भाषा विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच अब एक्टर ने साउथ फिल्में बॉलीवुड से क्यों आगे निकल रही हैं। इस पर उन्होंने बात की है। साउथ की पुष्पा, आरआरआर और KGF2 ने हिंदी बेल्ट में ही करीब 300 करोड़ का बिजनेस किया है। वहीं आज यानी 29 अप्रैल को उनकी फिल्म रनवे 34 रिलीज हुई है। जिसको क्रिटिक्स का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अपनी फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि हमारी फिल्में वहां नहीं रिलीज हो रही हैं। बस किसी ने उनकी तरह कोशिश नहीं की। यहां से किसी ने भी अपनी फिल्मों को साउथ में बड़े पैमाने में रिलीज करने का जिम्मा नहीं उठाया। अगर कोई कोशिश करेगा तो ऐसा जरूर होगा, जैसा उनकी फिल्मों को यहां रिस्पॉन्स मिलता है। अजय ने आगे कहा कि हां, साउथ की फिल्में शानदार हैं। यहां वह बहुत अच्छा परफॉर्म करती हैं और हमारी भी फिल्में चल रही हैं। साउथ के फिल्ममेकर्स प्लान करते हैं कि नॉर्थ में भी अपनी फिल्में शानदार तरीके से रिलीज करनी हैं। इसीलिए वे नॉर्थ के एक्टर्स को फिल्मों में ले रहे हैं और उसी तरीके से स्क्रिप्ट भी प्लान करते हैं कि उनकी फिल्में पैन इंडिया चलें।

टाइगर श्रॉफ चाहते हैं सुपरहीरो का किरदार निभाना

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वो हॉलीवुड फिल्म में सुपर हीरो का किरदार निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वो कई बार हॉलीवुड फिल्म के ऑडिशन दे चुके हैं, लेकिन हर बार वो रिजेक्ट हो गए। साथ ही टाइगर ने यह भी कहा कि उनकी लाइफ का गोल हॉलीवुड फिल्मों में कदम रखना है। टाइगर ने कहा, "वेस्टर्न कंट्रीज में यंग एक्शन हीरो की जगह खाली है। मेरी उम्र का हॉलीवुड में कोई एक्शन हीरो नहीं है, जो चीजें मैं करता हूं, वो मुझे कोई भी नहीं करता दिखता है। 90 के दशक में हम यंग हीरोज को एक्शन करते देखा करते थे, लेकिन आज के समय में ये स्किल किसी के पास नहीं है। स्पाइडर-मैन या ऐसे किसी हीरो को छोड़ दें तो वहां एक खालीपन है।" टाइगर ने आगे कहा, "जिस तरह का एक्शन मैं करता हूं, उस तरह का एक्शन कोई नहीं करता है, मैं वेस्ट में अपना लक आजमाना चाहता हूं। मुझे कई ऑफर्स मिले हैं। मैंने कई ऑडिशन्स भी दिए हैं, लेकिन मैं फेल हो गया।

हर भारतीय के दिलों और दिमागों में एक खास जगह रखती है लता की आवाज

मुंबई (ईएमएस)। दिवंगल लता मंगेशकर भारत की एक सच्ची आइकन और लेजेन्ड है, जिन्होंने 'वॉयस ऑफ इंडिया' के रूप में अपनी मजबूत जगह बनाई है। उनकी आवाज हर भारतीय के दिलों और दिमागों में एक खास जगह रखती है और ऐसे में स्टारप्लस उनकी यादों को और शानदार संगीत के उनके सफल को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरी तरह तैयार है। अब म्यूजिक इंडस्ट्री एकजुट होकर स्टार प्लस की सीरीज नाम रह जाएगा के लिए लेडेंड्री लता मंगेशकर का जश्न मनाने जा रही हैं। ऐसे में 'नाइटिंगेल ऑफ इंडिया' को दी जाने वाली इस खास श्रद्धांजलि के लिए एक-दो नहीं बल्कि कुल अठारह जाने माने गायक एक साथ उनकी विरासत को और उनकी अनगिनत यादों को जो उन्होंने हमारे लिए संजोने के लिए बनाई हैं, का अपने अंदजा में सम्मान करते नजर आएंगे। इस भव्य श्रद्धांजलि में प्यारेलाल जी, सोनू निगम, अरिजीत सिंह, शंकर महादेवन, नितिन मुकेश, नीति मोहन, अलका याज्ञनिक, साधना सरगम, उदित नारायण, शान, कुमार शानू, अमित कुमार, जतिन पंडित, जावेद अली, ऐश्वर्या मजूमदार, स्नेहा पंत, पलक मुच्छल और अन्वेषा मंच पर साथ मिलकर लता मंगेशकर के सबसे प्रतिष्ठित गीत गाकर श्रद्धांजलि देंगे। यहां मौजूद जावेद अली कहते हैं, "लता दीदी ने जो कुछ भी हमें प्रसाद के रूप में दिया, मैं उसे एक आशीर्वाद मानता हूं। वहीं साधना सरगम कहती हैं, "ऐसा लगता है जैसे मेरे लिए जीवन का चक्र पूरा हो गया है। नितिन मुकेश का कहना हैं, लता मंगेशकर जी के साथ मेरी जीवन भर की यादें हैं और उनसे बहुत प्यार मिला। मैंने उनके साथ सफर किया है, उनसे बहुत कुछ सीखा है।

उनकी आवाज हमेशा भगवान का दिव्य आशीर्वाद रहेगी और 'नाम रह जाएगा' का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। संगीत लता मंगेशकर के साथ शुरू होता है और उनके साथ खत्म होता है और क्योंकि संगीत अमर है इसलिए वह भी" गजेंद्र सिंह द्वारा परिकल्पित और निर्देशित, साईंबाबा स्टूडियोज 'नाम रह जाएगा' उस परम आवाज को श्रद्धांजलि देने के लिए तैयार है, जिसने हमें महान लता मंगेशकर की भावनाओं और आशा से भर दिया है। इस 8 एपिसोड वाली एक घंटे की सीरीज को 1 मई, 2022 को सिर्फ स्टारप्लस पर हर रविवार को शाम 7 बजे से दिखाया जाने वाला है।

सूडोकु नवताल- 6057

★★★✯☆ मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6056 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्दजाल - 6804

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका,बांग्लादेश,भारत,इंग्लैंड,पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया,दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

शब्दजाल - 6803 का हल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5757

	2	4			5	3
7	26		31	2	36	4
	5	1			7	
6	32		29		37	6
2	3		4	1		
	34	3	36	5	32	
	5	7			2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5756 का हल

5	6	2	4	1	7	3
7	35	3	31	5	27	1
4	1	7	6	3	5	2
3	31	6	40	2	30	7
2	3	5	7	4	1	6
1	27	4	37	6	35	5
6	5	1	3	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in